सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹109708/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹133990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹146262/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
रायपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026

हरिभूमि- आईएनएच का जिला संवाद पेंड्रा में आज

डॉ हिमांशु द्विवेदी

गुरु खुशवंत साहेब

अटल श्रीवास्तव

प्रणव मरपच्ची

विकास योजनाओं और क्षेत्र की समस्याओं पर मंथन

अमित जोगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर गौरेला- पेंड्रा-मरवाही जिले में चल रही विकास योजनाओं और क्षेत्र की समस्याओं पर मंथन के लिए जिला संवाद- 2026 का आयोजन 6 जुलाई को होगा। मल्टीपर्पस स्कूल पेंड्रारोड के असेंबली हाल में दोपहर एक बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी जिले के जनप्रतिनिधियों से सवाल करेंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, कोटा क्षेत्र के विधायक अटल श्रीवास्तव, मरवाही के विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची, पूर्व विधायक डॉ. के के ध्रुव, पूर्व विधायक अमित जोगी, जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा, नगरपालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे, नगर पंचायत पेंड्रा के अध्यक्ष राकेश जालान, जिला भाजपा अध्यक्ष लाल जी यादव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती गजमती भानु सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में जनता के साथ सीधा संवाद भी होगा, जिसमें लोग अपने जनप्रतिनिधि से सवाल कर सकेंगे।

हरिभूमि आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में ज्वलंत मुद्दों पर जोरदार चर्चा

कांग्रेस ने विकास के नाम पर किया भ्रष्टाचार, जन-जन तक योजनाओं को पहुंचा रही भाजपा सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद रविवार को महासमुंद में हुआ। जिले के विकास, विजन और ज्वलंत मुद्दों पर जीवंत संवाद हुआ। कार्यक्रम में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के तीखे सवालों के जनप्रतिनिधियों ने जवाब दिए। अतिथि के रूप में जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने जिले के विकास और उपलब्धियों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विकास के नाम पर भ्रष्टाचार किया। भाजपा की विष्णुदेव सरकार जन-जन तक विकास पहुंचाने का काम कर रही है। श्री बघेल ने जिले और प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर भी बेबाकी से बात की। कांग्रेस और भाजपा, दोनों दलों के प्रतिनिधियों के शामिल होने से कार्यक्रम में खुलकर जिले के मुद्दे और समाधान सामने आए। जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। पेश है हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के सवाल और मंत्री दयालदास बघेल और महासमुंद की सांसद रूपकुमारी चौधरी के जवाब- ▶▶|शेष पेज 7 पर

जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास और सांसद चौधरी ने की विकास-योजनाओं पर बात

यादव ने साधा सरकार पर निशाना: कांग्रेस विधायक और महासमुंद जिला कांग्रेस के अध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव ने नकटी में विधायक आवास के लिए मकान तोड़े जाने पर कहा कि साय सरकार कैसे चल रही है, यह इस घटनाक्रम से साफ होता है। गरीबों के मकान पर ▶▶| शेष पेज 7 पर

सांसद से बेबाक सवाल

▶ विधायक के बाद संसदीय सचिव और फिर अब सांसद। किसमें आराम ज्यादा है?

सांसद रुपकुमारी चौधरी: निश्चित रुप से विधायक, संसदीय सचिव और अब सांसद के रुप में कार्य रही। विधानसभा क्षेत्र छोटा होता था और लोगों से जुड़ाव ज्यादा। विधानसभा में काम करते हुए लोगों की बात को समझने और काम करने का मौका मिला। तीन जिले महासमुंद, गरियाबंद और धमतरी 350 किमी का क्षेत्र जिसमें सफर में ज्यादा समय निकलता है लेकिन, इस तरह से भी जनसेवा करने का अपना मजा है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

खूंटी पर तंबूरा !

देश-विदेश में छग की कला संस्कृति को बुलंद करने वाली तीजन बाई नहीं रहीं

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सीएम समेत देश ने किया शोक व्यक्त

दुनिया को सम्मोहित करने वालीं सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका और गुरु तीजन बाई नहीं रहीं। पिछले लंबे समय से अस्वस्थ चल रहीं महीनेभर से एम्स अस्पताल में भर्ती तीजन बाई ने रविवार अलसुबह अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम गनियारी में गमगीन माहौल में राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

पंडवानी की स्वर साम्राज्ञी पंचतत्व में विलीन

दो साल से पैरालाइस अटैक से बिस्तर पर थीं लोक गायिका तीजन बाई

छग और देश के कला संसार की अपूर्णीय क्षति

जन्म
24 अप्रैल 1956

निधन
5 जुलाई 2026

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

अंचल के सैकड़ों लोगों ने उन्हें अश्रुपूरित आंखों से विदाई दी। देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म अलंकरण के तीनों संस्करण से विभूषित छत्तीसगढ़ की एकमात्र कलाकार के अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के प्रतिनधि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव व सांसद विजय बघेल और ग्रामवासियों सहित कला,संस्कृति जगत के सैकड़ों लोग उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम विष्णुदेव साय ने भी उनके निधन को छग और देश के कला संसार की अपूर्णीय क्षति बताते हुए गहरा शोक जताया है।

छह दशक से अपने अनूठे कापालिक शैली के पंडवानी गायन के माध्यम से देश विदेश में औद्योगिक तीर्थ व छत्तीसगढ़ का नाम आलोकित करने वालीं तीजन बाई दो साल से पैरालाइस अटैक से ▶▶|शेष पेज 7 पर

हमारे दिलों में गूंजती रहेगी आवाज : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक जताया। सोशल मीडिया पोस्ट में श्रद्धांजलि देते हुए श्री साय ने कहा, आपने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया, आपकी अमर आवाज़ हमेशा हमारे दिलों में गूंजती रहेगी।

माटी के चोला....

कलाकारों ने तीजन बाई के प्रिय लोक भजन ए माटी के चोला .... गाकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। उनकी पार्थिव काया पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, भिलाई तीन चरौदा के मेयर निर्मल कोसरे, छालीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता व धरसींवा विधायक अनुज शर्मा आदि ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पंडवानी गायिका तीजन बाई के अंतिम संस्कार के पूर्व उनके सम्मान में गार्ड आफ आंनर दिया गया। शास के प्रतिनिधि कलेक्टर सिंह, आईजी व संभागायुक्त राठौर, एसपी अग्रवाल तीजन के देह में लिपटे तिरंगे को परिजनों को सौंप भावभीनी श्रद्धाजलि दी।

गांव से पद्म विभूषण तक का सफर...

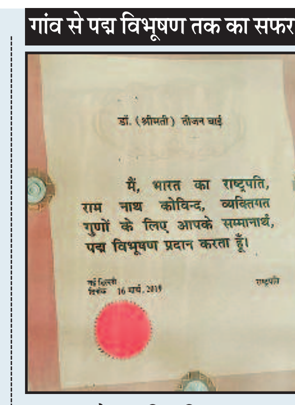

नाना से सुनी थीं महाभारत कथा, उसके बाद बढ़ी रुचि

पंडवानी गायन के लिए झेला सामाजिक बहिष्कार

पंडवानी को अंतर्राष्ट्रीय फलक पर स्थान दिलाने वालीं तीजनबाई का जन्म वर्ष 1956 में दुर्ग जिले के अटारी गांव में पारधी समुदाय के एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता

का नाम छुनुकलाल पारधी और मां का नाम सुखवती देवी था। बचपन में उन्होंने अपने नाना ब्रजलाल से महाभारत की कथाएं सुनीं और वहीं से पंडवानी के प्रति उनका लगाव शुरू हुआ। उस दौर में महिलाओं के लिए पंडवानी की कापालिक शैली में प्रस्तुति देना सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं था। जब तीजनबाई ने परंपरा को तोड़ते हुए मंच पर खड़े होकर अभिनय के साथ पंडवानी गाना शुरू किया, तो समाज ने उनका बहिष्कार तक कर दिया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कला ▶▶|शेष पेज 7 पर

शिकारियों को मदद देने के आरोप में इंद्रावती टाइगर रिजर्व का चौकीदार गिरफ्तार

बाघ की खाल तस्करी में महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सली, अफसर हैरान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार के साथ खाल तस्करी प्रकरण में एंटी पोचिंग तथा इंद्रावती टाइगर रिजर्व ने तीसरी खाल भी जब्त कर ली है। एक बाघ की खाल की और जब्ती होनी बाकी है।

■ एंटी पोचिंग स्क्वॉड, आईटीआर की टीम ने बाघ के तीसरी खाल जब्त की

खाल जब्ती के साथ ही टीम ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व के एक चौकीदार को भी अरेस्ट किया है। सूत्रों ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि बाघ की खाल तस्करी करने के आरोप में टीम ने महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सलियों को भी गिरफ्तार किया है।

बाघ खाल के साथ कंकाल तस्करी करने के आरोप में वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल, यूएसटीआर की एंटी पोचिंग स्क्वॉड, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के साथ पुलिस की संयुक्त टीम बाघ आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र पुलिस के दो जवान भी शामिल रहे हैं। अब तक जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है। उन लोगों के सिंडिकेट से जुड़े अन्य साथियों की पतासाजी की जा रही है। इसके लिए वन विभाग अपने मुखबिर तंत्र की मदद ले रहा है। बाघ खाल तथा कंकाल तस्करी के पूरे प्रकरण की इंद्रावती टाइगर रिजर्व के अफसर ▶▶|शेष पेज 7 पर

अपराध में पहली बार आत्मसमर्पित नक्सली शामिल

बाघ की खाल तस्करी से जुड़े प्रकरण में महाराष्ट्र के आत्मसमर्पित नक्सलियों के शामिल होने की बात पहली बार सामने आई है। इसके पूर्व महाराष्ट्र के साथ छत्तीसगढ़ के जो आत्मसमर्पित नक्सली हैं, उनका अब तक उनका नाम किसी वन अपराध में नहीं आया है। पूर्व में जो माओवाद से जुड़े रहे हैं, उन्हें जंगल की अच्छी जानकारी है। आशंका जताई जा रही है, इसी बात का फायदा उठाकर बाघ के साथ अन्य वन्यजीवों की खाल तथा अंगों की तस्करी करने वाले पैसों की लालच देकर आत्मसमर्पित नक्सलियों की मदद ले रहे हैं।

पुख्ता व्यवस्था करेंगे

इंद्रावती टाइगर रिजर्व के साथ अन्य टाइगर रिजर्व तथा जिन क्षेत्रों में बाघों का मूवमेंट रहता है, उन क्षेत्रों में गश्त और तेज की जाएगी। मुखबिर तंत्र को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा एंटी स्नेयर वॉक की मदद से जंगल को फंदामुक्त कर शिकार तथा तस्करी पर लगाम लगाई जाएगी।

- अरुण पाण्डेय
वनबल प्रमुख

चिंतन शिविर से विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री

चिंतन शिविर शासन व्यवस्था में ठोस सुधारों का प्रभावी माध्यम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दीर्घकालिक रणनीति, सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप प्रशासनिक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन ▶▶|शेष पेज 7 पर

शासन को तकनीक से नागरिक केंद्रित बनाएं

'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज' विषय पर नीति आयोग के सदस्य अभय करंदीकर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 5जी, ड्रोन, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, ब्लॉकचेन तथा डेटा-आधारित प्रशासन की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, तकनीक के माध्यम से शासन को अधिक दक्ष, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाया जा सकता है। साथ ही डिजिटल समावेशन, नवाचार, रोजगार सृजन और सेवा वितरण में छत्तीसगढ़ के लिए उपलब्ध व्यापक अवसरों का भी उल्लेख किया।

पत्थर खदान धंसी, चट्टान में दबकर दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले में अवैध रूप से संचालित खदान में मिट्टी मलबा और बड़ा चट्टान गिरने से दो युवकों की दबकर मौत हो गई। ग्रामीण खदान से गिट्टी के लिए पत्थर निकालने गए हुए थे। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व प्रशासनिक टीम ने ग्रामीणों की मदद ▶▶|शेष पेज 7 पर

की जाएगी जांच

सुबह लाची गांव में खदान से पत्थर निकालने के दौरान दो युवक दब गए थे। सूचना के बाद पहुंची टीम ने दोनों शवों को बरामद किया है। खनन के मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

-सूर्यकांत साय, तहसीलदार, सूरजपुर

अवैध रूप से हो रहा संचालन

जिस पत्थर खदान के धंसने से दो युवकों की मौत हुई वह पूर्ण रूप से अवैध है। इस खदान से प्रतिदिन बेतरतीब व असुरक्षित तरीके से बोल्डर निकालने का काम किया जाता है लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

'चॉल' ढह जाने से छह लोगों की मौत

मुंबई। मुंबई के मानखुर्द इलाके में रविवार रात भारी बारिश के बीच तीन मंजिला 'चॉल' ढह जाने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी और एक घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मलबे के नीचे एक व्यक्ति के फंसे होने की आशंका है। उसे खोजने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों सहित कई एजेंसियों द्वारा एक संयुक्त बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों के अनुसार, चार महिलाओं और एक पुरुष को नगर निकाय द्वारा संचालित शताब्दी अस्पताल में ''मृत अवस्था में'' लाया गया। एक अन्य पुरुष को राजावाड़ी अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

सरकार ने थमाया नोटिस, 7 दिनों में देना होगा जवाब

इंस्टाग्राम विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर सरकार ने सख्त तेवर दिखाए हैं। पहले यूजरनेम पर व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर कड़ा एक्शन लिया। अब सरकार ने इंस्टाग्राम पर 'पेड' विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े वीडियो और अन्य सामाग्रियों को लेकर मेटा को कड़े शब्दों में नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने यह नोटिस शनिवार शाम को जारी किया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को उन सभी विज्ञापनों और सामाग्रियों को हटाने का आदेश दिया है जो बच्चों के यौन शोषण और ▶▶|शेष पेज 7 पर

सरकार ने इंस्टाग्राम पर 'पेड' विज्ञापनों में बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़े वीडियो और अन्य सामाग्रियों को लेकर मेटा को कड़े शब्दों में जारी किया नोटिस

मंत्रालय ने रिपोर्ट के बाद उठाया कदम

मंत्रालय का यह ताजा कदम बीबीसी की एक रिपोर्ट के बाद आया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि मेटा का 'रिकमेंडेशन एल्गोरिदम' बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामाग्री वाले वीडियो को बढ़ावा दे रहा था, जिससे सुरक्षा उपायों में गंभीर कमियां उजागर हुईं। जांच में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस तरह के विज्ञापन भी देखे गए।

सरकार ने मांगा जवाब

मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के अनुसार, सरकार यह जानना चाहेगी कि ऐसे विज्ञापनों को कैसे मंजूरी दी गई, आरोपों के सामने आने के बाद मेटा ने क्या सुधारात्मक कदम उठाए हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वह क्या सुरक्षा उपाय करने की योजना बना रही है।

भारत सरकार की खरी-खरी

भारत सरकार ने बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी ऑनलाइन सामाग्री के मामले में 'बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाई है। ऑनलाइन मंच को ऐसी सामाग्री का तुरंत पता लगाने, उसे हटाने और उसकी रिपोर्ट करने के साथ-साथ डिजिटल परिवेश में बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत उपाय करने की जरूरत है।

मेटा ने दी सफाई

इंस्टाग्राम विवाद पर मेटा की सफाई सामने आई है। मेटा ने रविवार को कहा कि वह बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को मांगने या शेयर करने, जिसमें विज्ञापन भी शामिल हैं, के मामले में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाता है। कंपनी का कहना है कि वह नियमों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट का पहले से पता लगाने और उसे हटाने के लिए एडवांस्ड एआई तकनीक का इस्तेमाल करती है।

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

CVRU – DR. C.V.RAMAN UNIVERSITY

A part of aisect india | Bilaspur, Chhattisgarh

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | NAAC Accredited University

JOIN A NAAC 'A' GRADE UNIVERSITY

AI ENABLED CAMPUS WITH GLOBAL OPPORTUNITIES

3800 Students Placed (Last 5 years)

Companies Visited 400+

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

Approvals & Recognition From Regulatory Bodies

- (University Grants Commission) Act 1956
- The AICTE (All India Council of Technical Education)
- The NCTE (National Council for Teacher Education)
- The BCI (Bar Council of India)
- Dr. C.V. Raman University is the member of the Association of Indian Universities (AIU)
- The University is Approved by CGPURC
- The PCI (Pharmacy Council of India, a statutory body constituted under the Pharmacy Act, 1948)
- University Grants Commission (UGC) Distance Education Bureau

ADMISSION OPEN (2026-27)

futureskills prime – A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative

PROGRAMME OFFERED

B. TECH PROGRAMS OFFERED

No.	Programme	Industry Oriented Certificate Programme
01	B. TECH COMPUTER SCIENCE ENGINEERING	ARTIFICIAL INTELLIGENCE, MACHINE LEARNING, CLOUD COMPUTING
02	B. TECH CIVIL ENGINEERING	3D DESIGN
03	B. TECH MECHANICAL ENGINEERING	MECHANICAL ARCHITECTURE
04	B. TECH ELECTRICAL ENGINEERING	EV ENGINEER
05	B. TECH ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING	EV ENGINEER
06	B. TECH ELECTRICAL AND ELECTRONICS ENGINEERING	EV ENGINEER

POLYTECHNIC DIPLOMA

Civil Engineering | Mechanical Engineering
Computer Science Engg | Electrical Engineering

M.TECH

Digital Communication | Power System
Computer Science Engineering | VLSI
Production Engineering | Software Engineering

UG Diploma in Fire Safety Management

Admission to Engineering & Pharmacy programmes will be based on the regulations of the DTE, Chhattisgarh.

You are Invited to OPEN MEGA JOB FAIR 2026

Date: 10th- 11th July 2026, Time: 10:30AM to05:00 PM

INVITATION FOR ALL FINAL YEAR STUDENTS, FRESH GRADUATES & ALUMNI

INDUSTRY ● OPPORTUNITY ● SUCCESS

A PLATFORM WHERE TALENT MEETS OPPORTUNITY

Dr. C. V. Raman University cordially invites **Final Year Students, Recent Graduates, and Alumni** of your esteemed institution to participate in the **Open Mega Job Fair 2026.** This grand recruitment event will bring together 50+ reputed companies from diverse sectors, offering excellent career opportunities for freshers and experienced candidates.

Contact for more details:

TRAINING & PLACEMENT DEPARTMENT

Call: 8770447020, 8770767832, 8463055601, 8821012305, Email: tpo@cvru.ac.in

Scan to Register

Top Recruiters of AGU

More than **500 companies** for Placements and Internships
Offering up to **10 Lakh Package**

NIIT, Star, vivo, genpact, iON, TeamLease Digital, Tech Mahindra, vedanta, 3i Infotech, Shree Cement, Axis Bank, amazon, IndusInd Bank, Bluspring, HIKEEDU, pinnacle, LANCO, wipro, Infosys, zomato

Information & Technology

Master of Science (IT, CS)
Bachelor of Computer Application (BCA)
PG Diploma in Computer Application (PGDCA)
Diploma in Computer Application (DCA)

Law

B.A. (LLB) | B.Com. (LLB) | L.L.B. | L.L.M.

Arts

Bachelor of Arts (BA)
Master of Arts (MA)
Bachelor of Library Science (B.Lib)
Master of Library Science (M.Lib)
Master of Social Work (MSW)
Bachelor of Journalism
Master of Journalism
Performing Fine & Folk Arts

Pharmaceutical Sciences

Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)- 4 Years
Master of Pharmacy (M.Pharm)-2 Years
Diploma of Pharmacy (D.Pharm)-2 Years

Science

Bachelor of Science (B.Sc.)
Master of Science (M.Sc.)
PG Diploma in Rural Development (PGDRD)

Education & Physical Education

Bachelor of Education (B.Ed)
Master of Education (M.Ed)
Bachelor of Physical Education and Sports (BPES)
Master of Physical Education and Sports (MPES)
Master of Arts in Yoga (MA Yoga)

Commerce & Management

Bachelor of Commerce (B.Com)
Master of Commerce (M.Com)
Bachelor of Business Administration (BBA)
Master of Business Administration (MBA)
PGDBM

Bachelor of Vocational (B.Voc)

Automobile Servicing | Production Technology | House Keeping | IT Application Development Banking, Financial Services and Insurance | Home Care | Construction | AC & Refrigeration | Multimedia & Animation Hospital Administration | Fashion Designing | Interior Designing | Fire & Safety (Industrial & Construction)

ADMISSION HELPLINE : 6261-900581/88

Up to 100% Scholarship Available for Deserving and Eligible Students

25+ International Students from Nepal & Bhutan.

Highest Package up to ₹ 35 LPA

Campus: Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.) Ph.+91-7753-253801, E-Mail : info@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in | City Office: Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

शनिवार रात झमाझम बारिश के बाद रविवार लगी रही सावन जैसी झड़ी

रायपुर में 169 मिमी पानी बरसा, जनजीवन अस्त व्यस्त, राज्य के 37 स्टेशनों में भारी वर्षा दर्ज

सूखे पर मूसलाधार प्रहार...रायपुर में दस साल का रिकार्ड टूटा, राजिम में सबसे ज्यादा 190 मिमी बारिश

मानसून की पहली ताबड़तोड़ बारिश ने प्रदेश में सूखे के टेंशन को फिलहाल खत्म कर दिया है। पिछले दो दिनों में हुई मूसलाधार 169 मिमी. बरसात ने रायपुर में दस साल का रिकार्ड तोड़ा है। राजिम में सर्वाधिक 190 मिमी. के साथ प्रदेश के 37 स्टेशनों में भारी वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में शनिवार की रात झमाझम के बाद रविवार दिनभर सावन जैसी झड़ी लगी रही।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने काफी इंतजार के बाद छत्तीसगढ़ में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। मानसून का प्रभाव बस्तर के बाद मध्य हिस्से तक हो चुका है और जल्दी ही इसका असर उत्तरी इलाके में भी नजर आने लगेगा। जून में 66 प्रतिशत कम बरसात की वजह से लोगों को सूखे की चिंता सताने लगी थी। जुलाई में मानसूनी गतिविधि बढ़ी और पिछले दो दिन में इसके व्यापक प्रभाव से राज्य का बड़ा हिस्सा इसकी जद में आ गया। रायपुर में मानसून की गतिविधि शनिवार को दोपहर में ही नजर आई। इसके बाद छाए बादलों ने रात होने के बाद अपना तेवर दिखाया और जमकर ⏭शेष पेज 7 पर

यहां हुई भारी वर्षा

अतिभारी बारिश

राजिम में 19, दुर्ग में 18, छुरा में 16, लालपुर, रायपुर शहर, राजनांदगांव, पाटन में 15, गोबरा नवापारा, माना में 14, अर्जुंदा में 13, लभांडी, गुंडरदेही में 12-12, भिलाई, कोमाखान, देवरी में 10-10 सेमी. तक बारिश हुई।

भारी वर्षा

बोराई में 9, मंदिर हसौद, महासमुंद, बागबहरा, अहिवारा 8, धमतरी, मंदिर हसौद, धरसींवा, भटगांव, अभनपुर, डोंगरगढ़, गुरुर, मैनपुर, मालखरौदा, गरियाबंद, कुरुद में 7-7, बिलाईगढ़, लैलूंगा,बम्हनीडीह, सारंगढ़ सहित आधा दर्ज इलाके में 6 सेमी. बारिश हुई।

अच्छी वर्षा

राज्य के 30 स्थानों में 5 सेमी. से 3 सेमी. तक बरसात दर्ज हुई।

राज्य में दो दिन में औसत 40 मिमी. बारिश

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने के बाद राज्य में मानसून की गतिविधि बढ़ी है। दो दिन से सक्रिय होने के बाद राज्य में औसत 40 मिमी. बारिश हुई है। मौसम विभाग के एक जून से 5 जुलाई तक की समान्य वर्षा का आंकड़ा अब 167.2 मिमी. तक पहुंच गया है, जो सामान्य 247.2 मिमी. की तुलना में 23 प्रतिशत कम है। अब सारंगढ़ और दंतेवाड़ा जिला सामान्य से अधिक यानी 19 फीसदी से ज्यादा वर्षा की श्रेणी में शामिल हो चुका है। बस्तर, बीजापुर, दुर्ग, जांजगीर, खैरागढ़, महासमुंद, मुंगेली, नारायणपुर और सक्ती जिला सामान्य स्थिति में है।

इधर, देशभर में मानसून ने पकड़ी रफ्तार

मुंबई में उड़ानें प्रभावित केरल, ओडिशा में अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश के अधिकांश हिस्सों में रविवार को मानसूनी गतिविधियां और तेज हो गईं। मुंबई में भारी बारिश के कारण विमान परिचालन बाधित हुआ जबकि केरल, ओडिशा और झारखंड में मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी व्यापक बारिश हुई है। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब एक घंटे तक विमानों का परिचालन रोकना पड़ा। आईएमडी ने रविवार को मुंबई के लिए 'रेड अलर्ट' बरकरार रखा है और आगे भी लगातार बारिश तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा होने का अनुमान जताया है।

केरल में अलर्ट दिल्ली में राहत

केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूस्खलन, मिट्टी धंसने और अचानक आने वाली बाढ़ के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रशासन के निर्देशानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। दिल्ली के कई हिस्सों में रविवार को हुई मध्यम बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दोपहर 2.30 बजे तक छतरपुर में सबसे अधिक 49 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद गुरुग्राम में 35 मिमी, महरौली में 18 मिमी, नोएडा में 17 मिमी बारिश हुई।

झारखंड में ऐसा अनुमान

झारखंड में आईएमडी ने छह से नौ जुलाई तक सभी 24 जिलों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने को लेकर 'येलो अलर्ट' जारी किया है। मौसम केंद्र ने कहा, राज्य में बादल छाए रहने और अधिकांश हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है, जबकि कुछ सुदूर स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच के दौरान बड़ा खुलासा

एक साल पुराना डेटा रिकवर, चैट्स से खुला 2 करोड़ की चोरी का राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। मोबाइल चैट्स को आरोपियों ने हमेशा के लिए मिटा हुआ समझ लिया था, वही अब उनके खिलाफ सबसे बड़े सबूत बनते दिख रहे हैं। करीब एक साल पहले डिलीट किया गया डेटा भी रिकवर कर लिया गया है। डेटा से 2 करोड़ रुपए से ज्यादा की कथित चोरी से जुड़े सुराग मिले हैं।

खास खबर

अयोध्या पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपियों के मोबाइल का बैकअप हासिल कर लिया है। फॉरेंसिक जांच के दौरान न सिर्फ पुराने मोबाइल का बैकअप निकाला गया, बल्कि करीब एक साल पहले डिलीट किए गए चैट, डेटा और दूसरी डिजिटल जानकारी भी रिकवर कर ली गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला और अनुकल्प मिश्रा के नए मोबाइल फोन का डेटा भी हासिल कर लिया है। अब जांच टीम इन डिजिटल रिकॉर्ड को पूरे केस की टाइमलाइन से जोड़कर देख रही है।

सूत्रों के मुताबिक, रिकवर हुई चैट्स में सबसे बड़ा खुलासा पैसों के बंटवारे को लेकर हुआ है। फरवरी 2026 में अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा के बीच चोरी की रकम को ⏭शेष पेज 7 पर

जेल में आरोपियों से पूछताछ

रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान गबन मामले की जांच के लिए रविवार को विवेचक आशुतोष तिवारी एंटी करप्शन कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद जिला कारागार पहुंचे। जेल में बंद पांच आरोपियों से पूछताछ की। पूछताछ में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस कस्टडी में आरोपी अविनाश शुक्ला ने पूछताछ के दौरान करीब 19 लाख रुपए की अतिरिक्त रकम खा खुलासा किया है। अब जांच एजेंसियां इस रकम के संबंध में मिले इनपुट का सत्यापन कर रही हैं। साथ ही बरामदगी की दिशा में कार्रवाई आगे बढ़ा रही हैं।

पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल का हासिल किया बैकअप, बनेगा बड़ा सबूत

बैंक खातों की भी जांच

सिर्फ मोबाइल चैट्स ही नहीं, पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों की भी बारीकी से जांच कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि चैट्स में जिन रकमों का जिक्र है, क्या वही रकम अलग-अलग खातों में ट्रांसफर भी हुई थी। इसके अलावा यह भी देखा जा रहा है कि चोरी की कथित रकम से किन-किन लोगों ने कार, बाइक, मकान या दूसरी संपत्तियां खरीदीं।

सबूतों से दूरी बनाने नए मोबाइल

जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपियों ने नए मोबाइल फोन खरीद लिए थे। पुलिस को शक है कि ऐसा पुराने डिजिटल सबूतों से दूरी बनाने के लिए किया गया होगा, लेकिन साइबर फॉरेंसिक जांच में नए फोन का डेटा भी खंगाल लिया गया। पुलिस अब यह समझने की कोशिश कर रही है कि क्या पुराने फोन से नए फोन में कोई डेटा ट्रांसफर हुआ था और क्या आरोपियों ने आपस में दूसरे माध्यमों से भी बातचीत की थी?

होसबाले के बयान से पूरी तरह सहमत : भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को राम मंदिर चंदे के विवाद पर अपनी

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस पूरे मामले पर संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले की बात से पूरी तरह सहमत हैं। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब भागवत से चंदा चोरी के आरोपों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, होसबाले जी का बयान देखिए...मेरी भी वही प्रतिक्रिया है। राम मंदिर चंदा विवाद पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दत्तात्रेय होसबाले के बयान का समर्थन किया है, जिसमें आरोपों की निष्पक्ष जांच और दोषियों के लिए कठोर सजा की मांग की गई है और हिंदू समाज से धैर्य रखने की अपील की गई है। इससे पहले शुक्रवार को आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने इस मामले पर एक बयान जारी किया था।

अद्भुत नजारा...

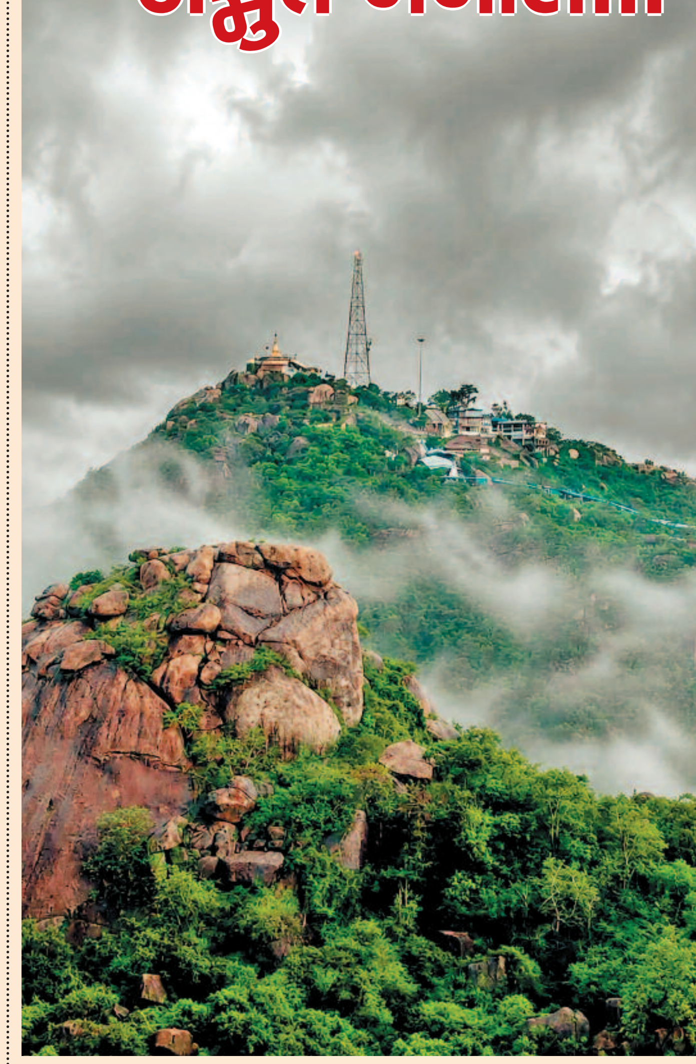

मानसून पहुंचने के बाद छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। इस बीच, डोगरगढ़ स्थित माँ बम्लेश्वरी मंदिर की पहाड़ी पर दिखाई दिया अद्भुत नजारा।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

नौका पलटने के बाद छह मछुआरे लापता

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तट के पास खराब मौसम के बीच मछली पकड़ने वाली एक नौका के पलट जाने की आशंका के बाद उसमें सवार छह मछुआरे लापता हो गए। एक मछुआरे को वहां से गुजर रहे एक क्रूज पोत ने सुरक्षित बचा लिया। मछुआरा संघ के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी।

10 बार विधायक रहे मोहनसिंह का निधन

छोटा उदयपुर। गुजरात के वरिष्ठ आदिवासी नेता और 10 बार विधायक रहे मोहनसिंह राठवा का रविवार को उनके पैतृक गांव उमरवा स्थित आवास पर निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। पिछले चार वर्षों से उनका स्वास्थ्य लगातार खराब था, जिसके कारण उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली थी। मोहनसिंह राठवा केवल एक नेता ही नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले मजबूत नेता थे।

आज बैठक, भारत पहली बार कर रहा मेजबानी

ब्रिक्स देशों की बैठक में बनेगी नशे के खिलाफ साझा रणनीति

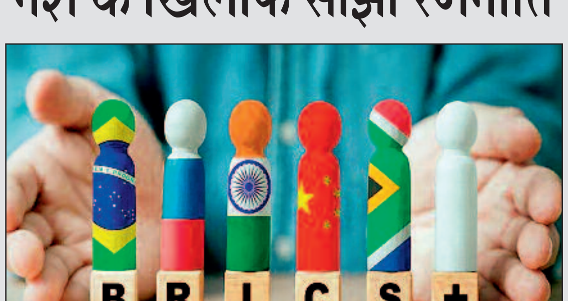

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत पहली बार ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक की मेजबानी करेगा। यह महत्वपूर्ण बैठक 6 और 7 को असम की राजधानी गुवाहाटी में आयोजित हो रही है। विशेष सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों की एंटी-ड्रग एजेंसियों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती मादक पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़े खतरों से निपटने के लिए साझा रणनीति तैयार करेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक का उद्देश्य ब्रिक्स देशों के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करना, परिचालन स्तर पर समन्वय बढ़ाना तथा नशीले पदार्थों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई को अधिक प्रभावी बनाना है।

क्या है ब्रिक्स?

ब्रिक्स विश्व की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें वर्तमान में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई सदस्य देश शामिल हैं। यह समूह आर्थिक, रणनीतिक, सुरक्षा और वैश्विक सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय बढ़ाने के लिए कार्य करता है। नशीले पदार्थों की तस्करी तेजी से अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले रही है। ऐसे में गुवाहाटी में होने वाली यह बैठक ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देने और वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

कोपरा में घुरवा में डूबने से दो मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा / गरियाबंद

जिले के कोपरा में रविवार दोपहर में घुरवा में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही पांडुका पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोपरा निवासी बिसेलाल साहू के घर के समीप स्थित घुरवा में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण लबालब पानी भरा हुआ था। दोपहर लगभग 1 बजे दो मासूम बच्चे ⏭शेष पेज 7 पर

ग्रामीणों ने निकाला शव

काफी देर तक जब दोनों मासूम घर नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई। आसपास खोजबीन करने के बाद जब ग्रामीण घुरवा गड्ढे के पास पहुंचे, तो बच्चों के डूबे होने की आशंका हुई। ग्रामीणों ने तत्काल मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और दोनों मासूम दम तोड़ चुके थे। बच्चों के शव मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

पीएम मोदी की आज से तीन दिवसीय इंडोनेशिया यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार से इंडोनेशिया की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। 6 से 8 जुलाई तक प्रस्तावित इस यात्रा को भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

कई समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर

राजदूत संदीप चक्रवर्ती ने बताया कि यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

आमिर और गौरी ने की रजिस्टर मैरिज, परिवार में जश्न

उम्र 61 साल, तीसरी बार दूल्हा बने आमिर

एजेंसी ⏭ मुंबई

इंतजार खत्म हुआ! बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंध गए हैं। 61 साल की उम्र में आमिर ने अपनी लेडी लव गौरी संग तीसरी शादी करके उन्हें हमेशा के लिए अपना हमसफर बना लिया है। आमिर और गौरी ने रजिस्टर मैरिज की है। दोनों अब पति-पत्नी बन चुके हैं। शादी के बाद आमिर और गौरी की आंखों में खुशी से आंसू छलक उठे। नई जिंदगी की शुरुआत करके दोनों काफी ज्यादा खुश हैं।

पति संग पापा की तीसरी शादी में पहुंचीं आयरा

आमिर खान और गौरी की शादी का जश्न जोरों-शोरों से चला। पापा आमिर की तीसरी शादी में एक्टर की लाडली बेटी आयरा खान भी अपने पति नूपुर शिखरे संग पहुंची। घर के बाहर से आयरा और नूपुर की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं।

रीना, किरण के बाद आई गौरी

आमिर खान का यह तीसरा विवाह है। इससे पहले उन्होंने फिल्म निर्माता रीना दत्ता से विवाह किया था और दोनों 1986 से 2002 तक साथ रहे थे। उनके दो बच्चे, जुनैद और इरा खान हैं। इसके बाद अभिनेता ने 2005 में फिल्म निर्माता किरण राव से विवाह किया था। दोनों 2021 में अलग हो गए, हालांकि वे अपने बेटे आजाद की मिलकर परवरिश कर रहे हैं। बेंगलुरु की रहने वाली गौरी सौंदर्य एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी हैं और पहले विवाह से उनका एक बेटा है।

आरोपी से मिली फीस अपराध की आय नहीं, जब तक अधिवक्ता खुद अपराध में शामिल न हो

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी आरोपी द्वारा अपने वकील को पेशेवर सेवाओं के बदले दी गई फीस को केवल इस आधार पर अपराध की आय नहीं माना जा सकता कि भुगतान आरोपी ने किया है। जब तक अधिवक्ता स्वयं किसी आपराधिक कृत्य में शामिल न हो तब तक उसकी पेशेवर फीस को अपराध की आय नहीं कहा जा सकता। जस्टिस जे. जे. मुनीर और जस्टिस अरुण कुमार की पीठ उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर सेल द्वारा एक वकील का पूरा बैंक खाता फ्रीज किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई 2026 को होगी।

वकील स्वयं न हो आपराधिक मामले में शामिल : कोर्ट : हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई वकील स्वयं किसी आपराधिक मामले में शामिल हो और उसके खाते में अपराध से अर्जित धन जमा हो, तो स्थिति अलग होगी। पीठ ने कहा यदि किसी राशि के जमा होने पर वकील का बैंक अकाउंट यह कहकर फ्रीज कर दिया जाए कि वह साइबर धोखाधड़ी या किसी अन्य अपराध की आय है, तो वकीलों के लिए अपने पेशेवर दायित्व निभाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। इससे अदालतों का कामकाज भी प्रभावित होगा।

पुलिस ने वकील के खाते कर दिए थे सीज

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि किसी वकील को उसकी फीस सरकार भी दे सकती है, कोई सम्मानित नागरिक भी और कोई ऐसा व्यक्ति भी जिसके खिलाफ आपराधिक आरोप हों। अदालत ने कहा यदि ऐसा आरोपी अपने वकील के अकाउंट में फीस जमा करता है, तो उस राशि को अपराध की आय नहीं कहा जा सकता। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह राशि अधिवक्ता की वैध पेशेवर आय है, जो उसे अपने विधिक दायित्व निभाने के बदले प्राप्त होती है।

क्या है पूरा मामला

मामले में वकील आयुष बाजपेयी ने हाइकोर्ट का रुख करते हुए कहा कि साइबर सेल ने कथित फर्जी लेनदेन का हवाला देकर उनका बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया, जबकि खाते में जमा राशि उनके मुवक्किल से मिली पेशेवर फीस थी।

अपर मुख्य सचिव (गृह) से शपथपत्र तलब किया

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) से व्यक्तिगत शपथपत्र तलब किया। अदालत ने पूछा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या व्यवस्था करेगी कि पुलिस अधिकारी बैंक अकाउंट फ्रीज करने की अपनी शक्तियों का ऐसा उपयोग न करें, जिससे न्यायिक प्रक्रिया और अदालतों के कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

सिर्फ फर्जी लेनदेन की राशि ही हो फ्रीज : कोर्ट

हाईकोर्ट ने अपने हालिया फैसले का हवाला देते हुए दोहराया कि किसी संदिग्ध या फर्जी लेनदेन के आधार पर साइबर सेल पूरे बैंक अकाउंट को फ्रीज नहीं कर सकती। केवल संदिग्ध लेनदेन या अपराध से जुड़ी राशि पर ही कार्रवाई की जा सकती है। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता के खाते में कुल शेष राशि 1,03,071 रुपये थी।

खबर संक्षेप

निजी एंबुलेंस और सेना के वाहन की भिड़ंत, तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रविवार को सूरतगढ़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर एक निजी एंबुलेंस और सेना के वाहन की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कैंसर पीड़ित महिला, उसके बेटे और बेटी की मौत हो गई जबकि एक बेटा और एंबुलेंस चालक घायल हो गए। हादसा केंचियां कस्बे के निकट उस समय हुआ जब एंबुलेंस एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे सेना के ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई। एंबुलेंस में कैंसर पीड़ित महेंद्र कौर पत्नी कृष्ण सिंह, उनके बेटे सतनाम सिंह और रामप्रकाश , बेटी लक्ष्मी देवी तथा एंबुलेंस चालक राजवीर सवार थे।

कराची अग्निकांड : 72 लोगों की मौत मामले में बच्चे पर चलेगा मुकदमा

कराची। पाकिस्तान के कराची में जनवरी में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी आग में 72 लोगों की मौत के मामले में पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल आरोपपत्र में नामजद 11 वर्षीय एक बच्चे पर मुकदमा चलेगा। कराची के व्यावसायिक क्षेत्र सदर में एम. ए. जिन्ना रोड स्थित 'गुल प्लाजा' शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 17 जनवरी को भीषण आग लग गई थी। आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे, गुल प्लाजा प्रबंधन समिति के सदस्य तनवीर पास्ता, अमर इस्माइल, मोहम्मद रमजान और मोहम्मद अमीन को आरोपी बनाया गया है।

ईरान में चल रहा शोक सप्ताह, बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोग

ट्रंप की ईरान को नई धमकी- चाहूं तो एक झटके में सबको खत्म कर दूं, पर सोचता हूं...

ईरान में फिलहाल शोक सप्ताह चल रहा है। शीर्ष नेता रहे अली खामेनेई को 4 से 9 जुलाई तक अंतिम विदाई दिए जाने की रस्में भी शुरू हो गईं हैं। तेहरान समेत ईरान के ज्यादातर शहरों में सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरान भी धमकी भरे अंदाज में कहा कि ईरान में इतनी बड़ी संख्या में लोग जुट रहे हैं। हम चाहें तो एक बार में ही सबको खत्म कर सकते हैं। फिर भी ऐसा नहीं कर रहे क्योंकि यदि सभी को हम मार देंगे तो फिर वार्ता के लिए कौन बचेगा।

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

ट्रंप द्वारा ऐसे माहौल में धमकी दिए जाने पर ईरान ने कहा कि अमेरिका कभी भी खामेनेई के निधन पर लोगों के दुख को नहीं समझ सकता क्योंकि उसके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान। डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा भी किया कि ईरान के नेता हमारे आगे गिड़गिड़ा रहे हैं कि एक डील कर ली जाए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने तय किया है कि एक सप्ताह तक गोली नहीं चलेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि ईरान के लोग खामेनेई को अंतिम विदाई देने में व्यस्त हैं। उन्होंने खामेनेई कि विदाई में जुटी लाखों की भीड़ पर भी हैरानी जताई।

मुझे लगता था ईरान के लोग खामेनेई से नफरत करते हैं

वहीं, ट्रंप ने एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि उन्हें लगा था कि ईरान के लोग खामेनेई से नफरत करते हैं और अंतिम संस्कार में दिख रहे आंसू शायद नकली हो सकते हैं। उनके इस बयान ने दोनों देशों के बीच पहले से चल रहे तनाव को और बढ़ा दिया। ईरान में 36 साल तक लगातार शासन चलाने वाले मुल्क के शीर्ष नेता अयातुल्लाह खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमले में मौत हो गई थी। इस हमले के बाद पूर्व मिडल ईस्ट में ही अशांति फैली हुई है।

ट्रंप पर भड़का ईरान, कहा- न सभ्यता और न सम्मान

ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका कभी भी खामेनेई के निधन पर लोगों के दुख को नहीं समझ सकता क्योंकि उसके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान। पोस्ट में लिखा, आपने अयातुल्ला खामेनेई को मार दिया, लेकिन वास्तव में आपने एक ऐसी इत्र की शीशी तोड़ी है जिसकी खुशबू हर जगह फैल गई।

राष्ट्रीय एकता, शहादत का प्रतीक बनी अंतिम यात्रा

ईरानी सरकार खामेनेई के अंतिम संस्कार को सिर्फ एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और मजबूती के प्रदर्शन के रूप में भी पेश कर रही है। मंच पर रखे ताबूतों के आसपास ईरान के राष्ट्रीय झंडे और काले शोक बैनर लगाए गए हैं। ईरान का मानना है कि दुश्मन के हमले में खामेनेई की मौत ने शिया समुदाय में शहादत की भावना को और मजबूत किया है। सार्वजनिक शोक, जुलूस, सीना पीटना और मातमी रस्में केवल दुख व्यक्त करने का तरीका नहीं हैं, बल्कि इन्हें प्रतिरोध और एकजुटता का प्रतीक भी माना जाता है।

ईरान ने 4 और 9 तारीख को ही क्यों चुना

ईरान ने खामेनेई के अंतिम संस्कार में भी उसने ऐसी तारीखों को चुना है, जिनका बड़ा महत्व है। 4 जुलाई को अमेरिकी की आजादी की 250वीं सालगिरह थी। उसी दिन खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके अलावा 9 जुलाई को आखिरी दिन है, जिसका इमाम हुसैन से सीधा संबंध है। यही नहीं ईरान ने इस मौके को दुनिया भर के शिया मुसलमानों की एकता के मौके पर भी चुना है। इसी नीति के तहत खामेनेई के जनाजे को इराक में ले जाया जाना है. इराक में खामेनेई का जनाजा नजफ और करबला जाएगा।

पाठ्य पुस्तक में आतंकियों को महिमामंडित करने वाले 8 अफसर सस्पेंड

एफआईआर के बाद ताबड़तोड़ छापेमारी, विभागीय जांच के आदेश

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्कूलों से विवादित किताबों को हटाने का आदेश देने के बाद तेजी से कार्रवाई करते हुए आठ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। ये किताबें अलगाववादियों और आतंकवादियों का महिमामंडन करने वाली थीं। किताबों में कश्मीर को भारत के कब्जे वाला बताया गया। यहां तक कि प्रतिबंधित जेकेएलएफ के संस्थापक मकबूल भट को शहीद कहा गया था।

यह मामला सामने आने के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रशासन ने स्कूल शिक्षा विभाग के आठ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया, लेखकों और पब्लिशर्स को ब्लैकलिस्ट कर दिया, सरकारी स्कूल की लाइब्रेरी से दो किताबें हटा लीं और उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दिए। जम्मू कश्मीर पुलिस की 'काउंटर इंटेलीजेंस' ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। विवादित पुस्तकों में अलगाव वादियों का कथित तौर पर महिमामंडन किये जाने के सिलसिले में छापेमारी शुरू की।

इन दो किताबों पर हुआ विवाद

जिन किताबों पर विवाद हुआ उनमें पहली किताब 'पर्सनैलिटीज एंड लेजेंड्स ऑफ जम्मू-कश्मीर'। इसके लेखक हिलाल अहमद और संतोष मीणा हैं। इसे ओबेरॉय बुक सर्विस, जम्मू ने प्रकाशित किया है। दूसरी किताब 'पर्सनैलिटीज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर', जिसके लेखक डॉ. सुशांत गिरी हैं और इसे अनुराग प्रकाशन, दिल्ली ने प्रकाशित किया है।

कश्मीर पुलिस ने दर्ज किया केस, मारा छापा

अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज करने के बाद, इकाई ने शहर के बहू प्लाजा में एक प्रकाशक के ठिकानों पर छापेमारी की। उन्होंने कहा कि यह तलाशी अभियान मामले से जुड़ी सामग्री एकत्र करने के लिए चल रही जांच के तहत चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने छापेमारी के दौरान भौतिक दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त किए हैं, और अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पश्चिम बंगाल में आक्रोश

किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या भीड़ ने की संदिग्ध की हत्या

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 वर्षीय किशोरी के साथ बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया है। किशोरी का शव तालाब से बरामद होने के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है। परिजनों का कहना है कि किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की और शव तालाब में फेंक दिया।

आक्रोशित भीड़ ने इंद्रजीत तांती नामक एक संदिग्ध को पीट-पीटकर मार डाला। लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया गया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। रिपोर्ट के मुताबिक, 4 जुलाई की दोपहर को किशोरी खाना खरीदने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल

घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सड़क और रेलवे ट्रैक जाम कर दिया। सियालदह-नामखाना रेल मार्ग पर करीब एक घंटे तक रेल सेवा बाधित रही। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने पीड़िता के पिता से फोन पर बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

जिम मालिक की हत्या के थे आरोपी

बिश्नोई गैंग के 2 शूटर ढेर एक पुलिस जवान घायल

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पुलिस ने हरियाणा के बहड़गढ़ में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े परवेश और हिमांशु नाम के 2 लोगों को गोलीबारी के बाद ढेर कर दिया। ये दोनों 10 जून को हांसी में जिम मालिक कपिल रेडहू की हत्या के आरोपी थे और तभी से फरार चल रहे थे। मृत जिम मालिक कपिल की उम्र सिर्फ 25 साल थी। बाइक सवार हमलावरों ने उन पर 10 से ज्यादा गोलियां चलाई थीं। दिल्ली और हरियाणा पुलिस की टीमों को उनके छिपे होने की खबर मिली, जिसके बाद उन्होंने इन दोनों को ढूंढ निकाला। पुलिस के करीब पहुंचते ही संदिग्धों ने उन पर गोली चलानी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में दिल्ली पुलिस का एक कांस्टेबल घायल हो गया, वहीं 4 अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोलियां लगीं।

जिम मर्डर केस में परवेश और हिमांशु पर आरोप

मृत जिम मालिक कपिल रेडहू की उम्र सिर्फ 25 साल थी। बाइक सवार हमलावरों ने उनकी जिम के बाहर ही उन पर 10 से ज्यादा गोलियां चलाई थीं। कपिल की हत्या के मामले में परवेश और हिमांशु को मुख्य आरोपी बनाया गया था। उन पर हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन सहित कई आरोप दर्ज थे।

गैंगस्टर के जेल वीडियो में जेल के पुलिस उपाधीक्षक गिरफ्तार

होशियारपुर (पंजाब)। पंजाब के होशियारपुर स्थित केंद्रीय जेल के भीतर से एक गैंगस्टर द्वारा बनाए गए कथित वायरल वीडियो से जुड़ी जांच के सिलसिले में जेल के अतिरिक्त अधीक्षक, एक वार्डन और 10 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संदीप कुमार मलिक ने बताया कि जांच के दौरान एसआईटी ने पाया कि इस मामले में जेल के कैदियों, जेल के बाहर के सहयोगियों और जेल अधिकारियों का एक नेटवर्क सक्रिय था।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

काम, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहांसें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

'हम तो अपनी कंट्री के राजा हैं, आप तो वैश्विक कलाजगत की महारानी हैं'

मुफलिसी और अशिक्षा के माहौल में अपनी दीर्घ कला साधना से कला के शिखर पर पहुंची प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई के अंचरा में जितने पुरस्कार और सम्मान हैं, छग में शायद ही कोई कलाकार होगा जिसे इतने अवार्ड मिले हों। सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री, पद्मविभूषण व पद्मविभूषण सहित कई राष्ट्रीय व राज्यों के पुरस्कार उन्हें मिले।

भिलाई। इतना ही नहीं फ्रांस महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फाक पिकाक अवार्ड सम्मान व जापान में मिला सबसे बड़ा अलंकरण फुकुयामा अवार्ड तीजन ही नहीं बल्कि परिजन व कलाकार बिरादरी के लिए भी बेहद गौरवपूर्ण व यादगार रहा। तीजन के नाती जीवन व सहकलाकार रहे मनहरण सार्वा बताते हैं कि तीजन बाई को वर्ष 2017 में जापान का सबसे बडा अवार्ड फुकुयामा सम्मान से जापान के राजा ने नवाजा। जब तीजन बाई ने उन्हें हार्दिक धन्यवाद दिया तो विभोर होते हुए राजा ने कहा कि हम तो सिर्फ जापान के राजा हैं पर आप तो वैश्किल कलाजगत की महारानी हो। यह हमारे जापानवासियों ही नहीं बल्कि पूरे दुनिया के लिए गर्व की बात है।

जुनूनी तीजन सर्जरी के दस दिन बाद गईं थीं जापान

जापान सरकार द्वारा अवार्ड के लिए आमंत्रित करने के पूर्व ताउम्र विपदाओं से झूझने वालीं जुनूनी तीजन का पीछा तकदीर ने जापान जाने के पूर्व भी नहीं छोड़ा। जब पुरस्कार के लिए तीजन मुंबई में रिहर्सल की रिकार्डिंग कर रही थीं तो सीने में हल्का दर्द उठा। उन्होंने सामान्य समझकर पंडावनी गायन के द्रौपदी चीरहरण परब पर फोकस किया। रिकार्डिंग खत्म होने के बाद जब वे ट्रेन से भिला लौट रही थीं तो दर्द बढ़ गया। तीजन की नातिन मेनका बताती हैं कि सहकलाकारों व परिजनों द्वारा उन्हें दुर्ग स्टेशन से सीधे सेक्टर 6 ए मार्केट कार्डियोलाजिस्ट डां, सुनीता के पास चेकअप कराने पर हार्ट अटैक डायग्नोस हुआ। तीजन बीएसपी में कनिष्ठ अधिकारी के रुप में रिटायर हुई थीं सो उन्हें सेक्टर नौ अस्पताल में भर्ती किया गया। गंभीर होने पर दो दिन बाद रामकृष्ण अस्पताल रायपुर में रिफर किया गया।

सहकलाकार व पूर्व पति तुलसी व पंडवानी गायिका ने किए अनुभव साझा

भिलाई । तीजन बाई के परिजनों के लिए वे एक कलाकार ही नहीं बल्कि पालनहार भी थीं। सभी उनसे बेहद प्यार व आदर करते थे। फिर चाहे उनके सहकलाकार रहे पूर्व पति हो या उनका नाती जीवन या पूर्व में कलाकार रहीं बहन रंभा। शुरुआती संघर्ष व कला सफर के दौर में तुलसीराम देशमुख जो उनके साजिंद थे व बाद में जीवनसाथी बने, बताते हैं कि तीजन बाई मेरी गुरु तो थी हीं जिनस बहुत कुछ सीखा। मैं उनके साथ 86 में फ्रांस और टूयूनेशिया भी गया था। विदेश में जब वे मंच पर जाती थीं तो विदेशियों को छत्तीसगढ़ी समझ में नहीं आने पर भी गजब की दाद थे। तीजन बाई ने पंडवानी सीखने और फिर इस कला को देश दुनिया में पहुंचाने जितना संघर्ष किया, शायह दी यहां कोई ऐसा होगा। शुरु में पंडवानी को लेकर उन्हें कई तरह के बाधाएं आई लेकिन कभी हिम्मत नहीं हारी। तीजन के 15 साल बेजोवादक रहे कैंप भिलाई के तुकाराम ठाकुर बताते हैं कि इतनी बड़ी पंडवानी गायिका के साथ मंचीय प्रस्तुति में शामिल होना गर्वीला तुर्जबा होता था। फ्रांस महोत्सव एक यादगार अनुभव था। गरीबी व संघर्ष के दौर में तीजन बाई भी कभी कैंप में ही रही करती थीं। वे पैदल बीएसपी ड्यूटी जाती थीं। बाद में उन्हें जब सेक्टर एक में क्वार्टर मिला तो कैंप छूटा । संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित भिलाई की ॠतु वर्मा बताती है कि मैं सदैव तीजन अम्मा से प्रेरित रहीं। हालांकि मैं बैठकर वेदमदी शैली की कलाकार और वे कापालिक यानी खड़ी होकर पंडवानी प्रस्तुत करती थीं। लेकिन उनका मंच पर सहज अभिनय और गायन नामचीन कलाकारों को पीछे छोड़ देता था। मुझे जब संगीत नाटक पुरस्करा मिला तो उन्होंने इसी तरह आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया था। प्रसिद्ध पंडवानी पंडवानी गायिका मीना साहू रनचिरई बताती हैं कि तीजन बाई जैसी कलासाधिका के साथ मेरा 40 साल का सफर यादगार था। उनसे पंडवानी के कई परब (प्रसंग) सीखने के सुअवसर मिले। वे चाहती थीं कि छग में पंडवानी ही नहीं बल्कि कर्मा, ददरिया सुआ और फले फूले। अक्सर कार्यक्रम देते वक्त व चायपानी में सभी सरकार व लोगों से आग्रह करती रहीं।

जब रणवीर व ओमपुरी ने तीजन संग बिताए यादगार लम्हे

भिलाई। जब मशहूर फिल्म अभिनेता रणवीर कपूर व जाने माने अभिनेता अमरीश पुरी ने तीजन बाई के साथ यादगार कार्यक्रम दिया तो इन तीनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। लोककारों को यह अनुभव साझा करते हुए तीजन बाई उत्साह से भर जाती थीं। लोक कलाकार व छालीवुड अभिनेता ललित चंद्राकर बताते हैं कि अभिनेता तीजन से मुंबई में किसी समारोह में अभिनेता रणवीर से मिले थे और उनके घर आने का वादा किया था। वादानुसार वे दस बारह साल पूर्व तीजन बाई के सेक्टर एक निवास पर पहुंचे थे । पूरे दो घंटे यादगार अनुभव बांटते हुए पंडवानी व छग की अन्य कलाओं के बारे रुचि दिखाई। उन्होंने अपने साथ किसी फिल्म में साथ अभिनय करने का भी रिक्वेस्ट किया था। इसी तर प्रसिद्ध अभिनेता ओमपुरी ने तीजन के साथ छग के ऐतहासिक स्थल सिरपुर में उनका यादगार इंटरव्यू लिया था। इसमें कलाजगत के इन दो बड़े कलाकारों ने पंडवानी, फिल्मों व लोककला तथा कलाकारो के जीवन जटिलताओं पर दस्तावेजी व शोधपरक बात की थी।

अद्भुत कलाकार...

तीजन बाई के निधन को अपूरर्णीय क्षति बताते हुए सांसद, विधायकों आदि जन प्रतिनिधियों व कलाकारों और बीएसपी के प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की दुलौरिन दीदी तीजन ने गनियारी ही नहीं बल्कि छग व भारत का नाम साठ से अधिक देशों तक फैलाया। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि पद्मविभूषण तीजन बाई अदुभुत पंडवानी कलाकार थी, जिन्होंने छग की माटी की गंध से दुनिया को सुवासित किया। उनका पंडवानी की महाभारत कथा मंच पर पेश करते अभिनय जीवंत था। वे कभी अर्जुन तो कभी भीम व कभी द्रौपदी बन जाती थीं। उनकी कलासाधना से खुश होकर आज स्वंय वरुण देव उन्हें लेने आए हैं । पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि तीजन बाई पंडवानी की धरोहर थीं। हम स्कूल से उनकी पंडवानी सुन रहे है। सायकल में उनके गांव जाते थे । उन्होने पडंवानी के माध्यम से गनियारी व छग ही नहीं पूरे देश का नाम रौशन किया है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बताया कि तीजन बाई जैसा कलाकार कोई दूसरा नही होगा। यदि उनका दूसरा जन्म हो तो हमारे दुर्ग जिला में ही हो। उनके शिष्य पूरे देश में हैं। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि तीजन बाई की पंडवानी सुन हम सदैव मंत्रमुग्ध हुए तो हुए भी गौरवानित भी कम नहीं हुए कि हम इतनी बड़ी कलाकार के शहर के हैं। उनका जाना कला संसार ीक क्षति है। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रतिनिधिन कनिष्ठ समन्वयक प्रभंजय चतुर्वेदी ने कहा कि 8 साल तीजनबाई के साथ काम करना गर्वभरा अनुभव है। जब उन्हें पद्मभूषण मिला तो मेरे वरिष्ठ दीपक खरे के साथ हमने उन्हें यह खुशखबर दी थी। उन्हें नाम लिखने सिखाने में भी हमने मदद की तो वे सीखकर बहुत खुश हुई थी। कलाकार भालचंद शेगेकर व भास्कर ने बताया कि तीजन के बीएसपी में रहते उनके साथ कई बार कार्यक्रम दिए। वे सहज सरल इतनी थीं कि साज पर आवाज देती थीं। बीएसपी के छग लोक कला महोत्सव उनककार्यक्रम से ही शुरु होता था। चोला माटी के राम एक दिन छोड़ देही उनका प्रिय भजन था।

गनियारी के हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल तीजन बाई के नाम पर

दुर्ग। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दिवंगत डॉ. तीजन बाई के सम्मान में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि उनके गृहग्राम गनियारी स्थित हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी के नाम से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय छत्तीसगढ़ की लोककलाकार के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगा तथा आने वाली पीढ़ियों को उनकी प्रेरणादायी जीवनयात्रा और सांस्कृतिक योगदान से निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि दिवंगत डॉ. तीजन बाई ने अपने अद्वितीय कला-साधना, ओजस्वी वाणी और आजीवन समर्पण से छत्तीसगढ़ की लोकधारा को वैश्विक मंच पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का विराम है। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों और असंख्य प्रशंसकों को संबल प्रदान करे।

भिलाई में एक प्रवेश द्वार तीजन की याद दिलाएगा

तीजन की कर्मभूमि पैतृक ग्राम गनियारी व औद्योगिक तीर्थ भिलाई में उनके जाने के बाद भी उनसे जुडी निशानी याद दिलाती रहेगी। तीजन की शोकसभा में ग्रामवासियों व कलाकारों के आग्रह पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने ऐलान किया कि भिलाई में तीजन बाई के नाम एक द्वार के नामकरण हो उनकी भी इच्छा है। मैं यहां बैठे कलेक्टर व प्रशासन से आग्रह करता हूं की भिलाई शहर का एक द्वार प्रशासन, निगम व बीएसपी मिलकर तीजन बाई के नाम निर्माण करे। उन्होंने यह भी कहा कि गनियारी में शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल का भी नाम तीजन के नाम किया जाएगा। इस अवसर पर सभा में परिजनों व ग्रामीणों ने यह आग्रह भी करना चाहा कि तीजन बाई के परिवार के किसी एक सदस्य को राज्य शासन में नौकरी मिले। और उनके नाम लोक कला संस्थान भी राज्य सरकार खोले । इससे यहां की कला व कलाकारों को प्रशिक्षण व शोध तथा आर्थिक मदद मिलती रहेगी।

दो साल के अंदर बेटा, बहू खोया फिर खुद चल बसीं

ए दे माटी के हो चोला राम, एखर का भरोसा चोला माटी के हे राम.. को चरितार्थ करते हुए पंडवानी गायिका का पूरा जीवन रहा। खुशी कम दुख जाता ही विधाता ने उनके भाग्य में लिखे। निधन के बाद उनका संघर्ष याद कर खुशी के साथ फफक भी पड़ता है। बहू रेणू जो तीजन की अस्वस्थावस्ता में साय की तरह उनके साथ रहती थीं, बताती हैं कि तीजन अम्मा का जीवन दुख का पहाड़ था। लेकिन पंडवानी की शक्ति वे दुखों को सामान्य ढंग से सह जाती थीं। दो साल पूर्व अम्मा के पुत्र शत्रुघ्न को हार्ट अटैक से खोया तो सदमे में खुद बिस्तर पर आ गईं। इसके बाद छह माह पूर्व बड़ी बहू को खोया, और खुद हम पूरे परिवार को बिलखता छोड़ गईं। वे भले ही बेड पर थीं लेकिन उनके होने का एहसास ही हमारे लिए बड़ा संबल था। अब इस घर में तंबूरा कौन बजाएगा।

फ्रांस महोत्सव से लौटने पर मिली बीएसपी में नौकरी

तीजन के पंडवानी कला के एवरेस्ट तक पहुंचने में उनके असीम कला साधना के साथ भिलाई इस्पात संयंत्र और उससे जुड़े कुछ कलावंत अधिकारी कर्मियों का बड़ा योगदान रहा। परिजनों व कलाकारों के मुताबिक जब तीजन पहली बार 84 में फ्रांस महोत्सव में भारतीय कला दल का प्रतिनिधित्व छग से गई तो बीएसपी में नही थीं । दिन गरीबी व झोपड़ी में रहती थीं। बीएसपी ने उनके पंडवानी कला के कद को देखते हुए एनएमआर में नौकरी दी फिर व स्थाई हुईं। इसमें बीएसपी के सामुदायिक विभाग के सम्वयक व लोककला मर्मज्ञ डां. विमलकुमार पाठक की यादगार भूमिका रही। सहकलाकार केवल देशमुख व पुत्र निखिल पाठक बताते हैं कि बीएसपी के प्रमुख यानी एमडी केआर संगमेश्वरन ने डां पाठक ने अनुनय किया कि सर आज यदि फ्रांस गई पंडवानी गायिका तीजन हमारे बीएसीप में होती तो कंपनी को क्रेडिट मिलता । उन्हें आने पर बीएसपी से जोड लीजिए और बहुत आगे बढ़ेगी। तब संगमेश्वर ने तीजन के लौटने पर बुलाकर बीएसपी में नौकरी दी। खुद तीजन बताती थीं कि यदि वे बीएसपी में नौकरी नहीं करती तो गरीबी के चलते शायद इस मुकाम तक पहुंचने में मुश्किल होती।

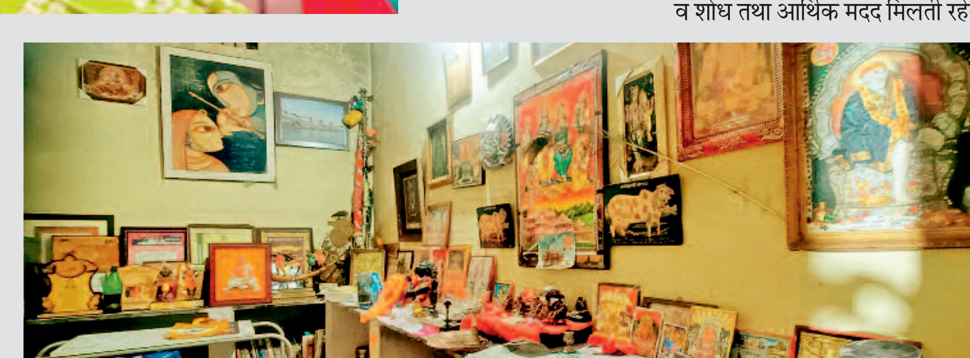

तीजन ने मौत को कई बार छकाया, कभी कुत्ता ले गया तो कभी नहर में डूबीं

पहले परिवार फिर कला और बाद बीमारी से संघर्ष करने वाली पंडवानी गायिका तीजन बाई ने कई बार मौत को मात दी। यह सिलसिला बचपन से अंतिम पड़ाव तक चलता रहा। परिजनों व कलाकारों के मुताबिक जब तीजन बाई मात्र डेढ़ दो साल की थीं तो उनकी मां सुखबती ने उन्हें मालिस करने के बाद गुनगुनी धूप में आंगन में बोरी बिछाकर लिटा दिया। जब मां कामकाज से फारिग हो लौटीं तो बेटी को गायब देख होश फाख्ता हो गए। परिजनों व पड़ोसियों की खोजमखोज के दौरान एक चरवाहे ने बताया कि झाड़ियों में एक कुत्ता एक बच्ची ले गया है। जब लोग बचाने दौड़े तो वह तीजन को छोड़ भाग गया। चमत्कार कि तीजन को खरोंच तक नहीं आई थी। तीजन की बहन रंभा बताती हैं कि जब तीजन मात्र 6,7 साल की थीं तो गनियारी में घर से लगी नहर में बच्चों को नहाते देख तेज धार वाली नहर में कूद पड़ीं। तैरना तो

आता नहीं था। जब लोगों ने परिजनों को बताया तो मां पिता भागे भागे पहुंचे। आधा घंटा पौना घंटा बाद ग्रामीणों ने उन्हें करीब एक किमी दूर सुरक्षित बाहर निकाला। पेट सो तीन लीटर पानी निकला। मां ने भगवान ने मेरी बेटी को बचाया नहीं तो सबको क्या जवाब दिया। इसी तरह जब दुर्ग साठ के दशक में प्लेग फैला तो सभी तरफ हाहाकार मचा था। पुत्र दिलहरण बताते हैं कि पिता मां बताती है कि लोग डर से पेड़ के मचान पर खाना बनाते थे। बत्ते से बर्तन मांझते थे। सब दुर्ग से पीछा करती बीमारी से डर कर भाग रहे थ। प्लेग से बीच में मामा यानी तीजन के भाई दम तोड़ चुके थे। बीमार तीजन अचेत हो गई,चल बसी समझकर उन्हें दुर्ग भाठा में छोड़ माता पिता ग्रामीणों के काफिल आगे बढ़ गया। लेकिन घंटे भर बाद पीछे आ रहे लोगों ने जब बताया कि एक बच्ची रो रही है तो सभी बैरंग लौटे तीजन को स्वस्थ पाकर मां ने कलेजे से लगा लिया।

चिंतन

शांति के लिए आतंक की जड़ों पर प्रहार जरूरी

जम्मू-कश्मीर में केवल आतंकियों के मारे जाने से आतंकवाद समाप्त नहीं होगा। पिछले तीन दशकों का अनुभव यही बताता है कि जब तक आतंक की जड़ों पर कड़ा प्रहार नहीं होगा, तब तक नए चेहरे पुराने आतंकियों की जगह लेते रहेंगे। सीमा पार से घुसपैठ, पाकिस्तान समर्थित आतंकी ढांचा, हवाला के जरिए फंडिंग, सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथ का प्रसार और स्थानीय युवाओं की भर्ती, ये सभी आतंकवाद की वे जड़ें हैं, जिन्हें पूरी तरह उखाड़कर फेंकना जरूरी है। आतंकवाद की फैक्ट्री तभी बंद होगी, जब उसके हर स्रोत को एक साथ समाप्त किया जाएगा। तभी घाटी में स्थायी शांति स्थापित हो सकेगी। हाल के दिनों में सामने आई दो घटनाएं। पहली शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों का मारा जाना और दूसरी, सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारधारा वाली पुस्तकों का मिलना स्पष्ट संकेत देती हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सुरक्षा और वैचारिक, दोनों मोर्चों पर एक साथ लड़नी होगी। शोपियां में सुरक्षा बलों ने जिस सटीक रणनीति और खुफिया जानकारी के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया, वह भारतीय सुरक्षा तंत्र की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। इनमें से एक आतंकी जाकिर अहमद गनी पहलगाम आतंकी हमले के बाद जारी 14 मोस्ट वांटेड स्थानीय आतंकियों की सूची में शामिल था। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान ने यह साबित किया कि सुरक्षा एजेंसियां अब केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई नहीं कर रहीं, बल्कि आतंक के पूरे नेटवर्क को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी संदर्भ में सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में अलगाववादी विचारों से जुड़ी सामग्री मिलने का मामला भी गंभीर चिंता का विषय है। यदि शिक्षा के माध्यम से युवाओं के मन में अलगाववाद या हिंसक सोच के प्रति सहानुभूति पैदा करने का प्रयास किया जाता है, तो यह भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। प्रशासन द्वारा आठ अधिकारियों को निलंबित करना, संबंधित लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट करना और जांच के आदेश देना इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संभावित वैचारिक चुनौती के रूप में देख रही है। यदि शैक्षणिक सामग्री किसी भी रूप में हिंसा, अलगाववाद या राष्ट्र-विरोधी सोच को महिमामंडित करती है, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई होना स्वाभाविक है। हालांकि, सुरक्षा के साथ विकास भी उतना ही आवश्यक है। कश्मीर के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, खेल और तकनीकी अवसर उपलब्ध कराना होगा। जिस युवा के सामने सम्मानजनक भविष्य होगा, उसके आतंकवाद के रास्ते पर भटकने की संभावना स्वतः कम होगी। स्थानीय लोगों का विश्वास जीतना, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना और विकास की गति तेज करना आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रभावी दीर्घकालिक रणनीति है। जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति तभी स्थापित होगी, जब सुरक्षा बल आतंकियों पर निर्णायक प्रहार करते रहें, प्रशासन आतंक के वैचारिक और आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करे और समाज युवाओं को हिंसा के बजाय विकास का रास्ता दिखाए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत तभी होगी, जब कश्मीर की नई पीढ़ी बंदूक नहीं, बल्कि किताब, कौशल और भविष्य का चुनाव करेगी। यही स्थायी शांति का सबसे मजबूत आधार है।

जयंती विशेष
नरेंद्र मोदी

देश की एकता व प्रगति को समर्पित जीवन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। उनके व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। श्यामा प्रसाद का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी, लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते।

आज, 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं। श्यामा प्रसाद का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी, लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना।

उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे।

इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(A) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश

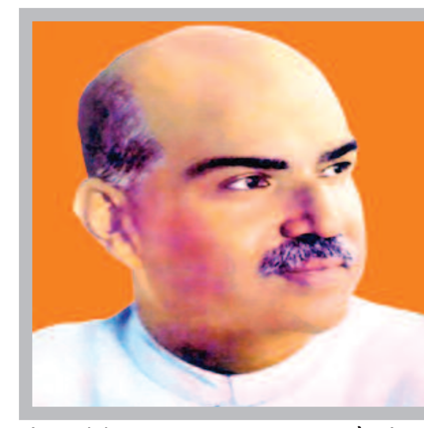

को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे। 75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। डॉ. मुखर्जी अपनी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी।

1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया। कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, ''आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।'' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

ग्रामीण विकास दिवस
बलकार सिंह पूनियां

उपलब्धियों के बीच अधूरी विकास यात्रा

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों और महानगरों की चमक-दमक से नहीं, बल्कि उसके गांवों की सामाजिक, आर्थिक और मानवीय स्थिति से किया जाता है। गांव केवल कृषि उत्पादन के केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे संस्कृति, परंपरा, जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता के आधार स्तंभ भी हैं। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष 6 जुलाईको मनाया जाने वाला विश्व ग्रामीण विकास दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह स्मरण कराने का अवसर है कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास नहीं होगा, तो सतत, समावेशी और न्यायपूर्ण विकास का लक्ष्य अधूरा ही रहेगा। वर्ष 2026 की थीम-'लचीलेपन में निहितः कैसे ग्रामीण विकास गरीबी उन्मूलन, जलवायु कार्रवाई और साझा समृद्धि को बढ़ावा देता है'-वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम बताती है कि ग्रामीण विकास अब केवल कृषि तक सीमित विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और आर्थिक समृद्धि का आधार बन चुका है। आज जब दुनिया आर्थिक असमानता, जलवायु संकट, खाद्य असुरक्षा और अनियंत्रित शहरीकरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब गांवों को विकास की मुख्यधारा में लाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार आज भी विश्व के अत्यधिक गरीब लोगों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है। अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और बढ़ते तापमान ने कृषि आधारित अर्थव्यवस्थाओं को अस्थिर बना दिया है। इसलिए ग्रामीण विकास का अर्थ केवल सड़क, बिजली और भवन निर्माण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि ऐसा सक्षम ग्रामीण समाज तैयार करना है जो संकटों का सामना करते हुए आत्मनिर्भर विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके। भारत का अनुभव इस दिशा में आशा और चुनौती-दोनों का परिचायक है। पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना और सेवाओं के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाने गांवों को बेहतर संपर्क प्रदान किया, जल जीवन मिशन ने करोड़ों परिवारों तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने लाखों परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए। डिजिटल इंडिया, भारतनेट, जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी पहलों ने ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन और सरकारी सेवाओं की पारदर्शिता को नई दिशा दी है। आज गांव का नागरिक भी मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहा है। 'सरस' जैसे विपणन मंचों ने ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। यह स्पष्ट करता है कि यदि ग्रामीण समुदायों को प्रशिक्षण, वित्त और बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो वे आत्मनिर्भर विकास का सफल मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं। फिर भी यह तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। ग्रामीण विकास की गति पूरे देश में समान नहीं है। अनेक गांव आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा, सिंचाई, डिजिटल कनेक्टिविटी, कृषि प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंच जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। क्षेत्रीय असमानताएं विकास की गति को प्रभावित कर रही हैं और यही असमानता समावेशी विकास की सबसे बड़ी चुनौती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है, लेकिन कृषि स्वयं अनेक संकटों से घिरी हुई है। छोटे और सीमांत किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि उनकी आय अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पाई है। खेती की लागत बढ़ रही है, बाजार मूल्य अनिश्चित हैं और जलवायु परिवर्तन ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़ और अत्यधिक तापमान का सीधा प्रभाव उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ रहा है। विश्व ग्रामीण विकास दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास केवल आर्थिक वृद्धि का नाम नहीं है। वास्तविक विकास वही है जो सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय संतुलन, लैंगिक समानता और जनभागीदारी पर आधारित हो। आवश्यकता केवल नई योजनाएं बनाने की नहीं, बल्कि उनके प्रभावी, पारदर्शी और सहभागितापूर्ण क्रियान्वयन की है। विकसित भारत का मार्ग गांवों से होकर ही गुजरता है। जब प्रत्येक गांव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित आजीविका, डिजिटल अवसर, जलवायु सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की सुविधाओं से जुड़ जाएगा, तभी विकसित भारत और समृद्ध विश्व का सपना साकार होगा। यही विश्व ग्रामीण विकास दिवस का सबसे बड़ा संदेश है।

(लेखक सहायक प्रोफेसर, इग्नू नई दिल्ली हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

उद्यमो भैरवः

संकलित
दर्शन

हम इस दार्शनिक उलझन में पड़ गए हैं कि प्रभु करते हैं या हम करते हैं। क्या मैंने भी कुछ किया है या सबकुछ प्रभु ही कराते हैं? इसको समझना बहुत आवश्यक है। इस बात को समझे बिना, आध्यात्म के नाम पर हम क्या-क्या करते हैं। इसलिए, तथाकथित धार्मिक या आध्यात्मिक लोग बहुत समस्या पैदा करते हैं। स्वयं भी समस्या में उलझ जाते हैं और दूसरों के लिए भी समस्या पैदा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें अकर्मण्यता पकड़ लेती है। एक विलक्षण शिव सूत्र है, 'उद्यमो भैरवः' भैरव शिव जी से ही प्रकट हुई शक्ति है। यदि आप किसी कार्य में संलग्न हैं तो उसमें अपना सौ प्रतिशत लगाएं। यही उद्यम है। ये आपको मुक्त कर देगा। जो काम करना है, उसके बारे में सोचकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। करना है और छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं तो वह भी नहीं होगा। जो करना है, वह पूरा करके समाप्त करें और जो छोड़ना है, उसे छोड़कर शांत हो जाएं। दोनों में सौ प्रतिशत लगाएं। उद्यमो भैरवः प्रयत्न भी भगवान ही है। यदि हमारे उद्यम से ही सारा लाभ प्राप्त हो जाए तो हर एक व्यक्ति सफल हो जाता। ऐसा तो नहीं होता है। जब आप कोई काम करते हैं तो कभी सफल होते हैं और कभी असफल होते हैं। एक आलसी व्यक्ति सब छोड़कर बैठ जाता है। जब होगा, तब होगा। और जो व्यक्ति ज्वर से पीड़ित है, वह करता ही जा रहा है। वह तनाव से भरा हुआ है। वह आशाओं के पत्थरों को सिर पर ढो रहा है। उसके भीतर विभिन्न प्रकार की नकारात्मक संवेदनाएं उत्पन्न होने लगती हैं। तो मार्ग क्या है? कहां है?

जमींदार और मजदूर के कर्म का फल

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में जमींदार और उसके एक मजदूर की साथ ही मौत हुई। दोनों यमलोक पहुंचे। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आज से तुम मजदूर की सेवा करोगे। मजदूर से कहा- अब तुम कोई काम नहीं करोगे, आराम से यहां रहोगे। जमींदार परेशान हो गया। पृथ्वी पर तो मजदूर जमींदार की सेवा करता था, पर अब उल्टा होने वाला था। जमींदार ने कहा- भगवन, आप ने मुझे यह सजा क्यों दी? मैं तो भगवान का परम भक्त हूं। प्रतिदिन मंदिर जाता था। देसी घी से भगवान की आरती करता था और बहुमूल्य चीजें दान करता था। धर्म के अन्य आयोजन भी मैं करता ही रहता था। धर्मराज ने मजदूर से पूछा- तुम क्या करते थे पृथ्वी पर? मजदूर ने कहा- भगवन, मैं गरीब मजदूर था। दिन भर जमींदार के खेत में मेहनत मजदूरी करता था। मजदूरी में उनके यहां से जितना मिलता था, उसी में परिवार के साथ गुजारा करता था। मोह माया से दूर जब समय मिलता था तब भगवान को याद कर लेता था। भगवान से कभी कुछ मांगा नहीं। गरीबी के कारण प्रतिदिन मंदिर में आरती तो नहीं कर पाता था, लेकिन जब घर में तेल होता तब मंदिर में आरती करता था और आरती के बाद दीपक को अंधेरी गली में रख देता था ताकि अंधेरे में आने-जाने वाले लोगों को प्रकाश मिले। धर्मराज ने जमींदार से कहा- आपने सुन ली न मजदूर की बात? भगवान धन-दौलत और अहंकार से खुश नहीं होते। भगवान मेहनत और ईमानदारी से कमाने वाले व्यक्ति से प्रसन्न रहते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

अब तो चमत्कार से ही खत्म होगा भ्रष्टाचार

हाल ही में भगवान श्री राम जी की जन्मभूमि अयोध्या मंदिर में चढ़ावे की जो गड़बड़ी की खबरें सुर्खियां बनीं, उन्होंने एक बात तो शत-प्रतिशत सिद्ध कर दी कि मानवता के दुश्मन कुछ लोगों की बुद्धि लोभ और लालच ने इस कद्र भ्रष्ट कर दी है कि लोगों को न तो भगवान की लाठी का डर रहा है और न कानून की लाठी का। ऐसे लोगों को याद रखना चाहिए कि भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं और कानून के हाथ भी बहुत लंबे हैं। बेईमानी का खेल ज्यादा दिन नहीं चलता है। हमारे देश की राजनीति, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में जो खोट आए हैं, उनका एक सबसे बड़ा कारण है भ्रष्टाचार। अब जब लोग भगवान के घर में भी भ्रष्टाचार से नहीं डर रहे हैं, तो संभावना है कि भ्रष्टाचार अब किसी चमत्कार से ही खत्म होगा। *-रविंद्र जोशी, बिलासपुर*

करंट अफेयर

किम जोंग ने विध्वंसक पोत से हथियारों का परीक्षण देखा

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने नए 5,000 टन वजनी विध्वंसक पोत 'कांग कोन' पर लगी परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम क्रूज मिसाइल और अन्य हथियारों के परीक्षण का निरीक्षण किया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। 'कांग कोन' पिछले साल जलावतरण समारोह के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था और बाद में इसकी मरम्मत की गई। यह परीक्षण परमाणु हथियारों से लैस नौसेना बनाने की किम की योजना के तहत किया गया उत्तर कोरिया का नवीनतम सैन्य शक्ति प्रदर्शन है। सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने बताया कि शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में एक रणनीतिक क्रूज मिसाइल, 'कांग कोन' की मुख्य तोप और स्वचालित तोपों का परीक्षण किया गया। इसके अलावा पोत की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का परीक्षण और लक्ष्य का पता लगाने एवं सूचनाओं का विश्लेषण करने की उसकी क्षमताओं का आकलन भी किया गया। सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि किम ने तट से इन परीक्षणों का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को विध्वंसक पोत के परीक्षण पूरे कर उसे दो महीने के भीतर सेवा में शामिल किए जाने का निर्देश दिया।

ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है- कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है- भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

ट्रेंड

अपूरणीय क्षति

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। उनका जाना देश की कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ॐ शांति।
- **नितिन गडकरी,** केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

सोलर एनर्जी

यह देखकर अच्छा लगता है कि रिहायशी इलाके रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सोलर एनर्जी को अपना रहे हैं। द्वारका में एयर फोर्स और नेवल ऑफिसर्स एन्क्लेव में 500 केवी के सोलर प्लांट का उद्घाटन, एक ज़्यादा हरे-भरे, आत्मनिर्भर और विकसित दिल्ली बनाने के बढ़ते संकल्प को दिखाता है।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

मेहनत का सबूत

बिहार के प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को हार्दिक बधाई, जिन्होंने 15 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू करके इतिहास रचा है। इतनी कम उम्र में देश का प्रतिनिधित्व करना आपके हुनर, कड़ी मेहनत और लगन का सबूत है।
- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

बुनियादी मानक पूरे नहीं

उत्कृष्टता' का प्रवचन देने वालों को 'डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी' को पूरा करने में 11 साल लग गये। बनाया भी तो इतने निम्न स्तर का कि उत्कृष्टता तो दूर, गुणवता का एक भी बुनियादी मानक पूरा नहीं किया।
- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

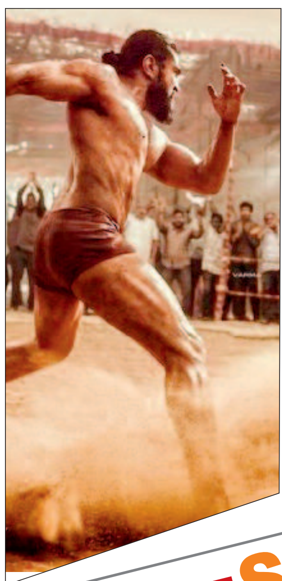

अब ओटीटी पर आएगी रामचरण की 'पेड्डी'

मुंबई। साउथ सुपरस्टार रामचरण की फिल्म 'पेड्डी' ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अब ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है, जिससे उन दर्शकों की खुशी दोगुनी हो गई है, जो किसी वजह से इसे बड़े पर्दे पर नहीं देख पाए थे। फिल्म पेड्डी की डिजिटल रिलीज को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही थीं और अब आखिरकार इसकी आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है। ऐसे में रामचरण के फैंस एक बार फिर इस फिल्म का रोमांच अपने घरों में बैठकर महसूस कर सकेंगे।

लाइफ Style

कृति
ब्रेकअप की खबरें खारिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ डिनर डेट पर नजर आईं, जिससे उनके ब्रेकअप की अफवाहें खारिज हो गई हैं। मुंबई में पैपराजी की ओर से कैप्चर किए गए वायरल वीडियो में, कपल खुश दिख रहा था और एक ही कार में निकला, जो उनके मजबूत रिश्ते का संकेत देता है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बता दें कि लंबे समय से बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन के रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया को एक महिला के साथ नजर आए थे। उन दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हुई। इसके बाद से कृति और कबीर बहिया के ब्रेकअप की अटकलें लगने लगीं। इसके बाद एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें कबीर भी नजर आएं। अब दोनों को एक साथ डिनर डेट पर जाते नजर आए है।

देर रात को मुंबई के बांद्रा में कपल डिनर डेट पर नजर आएं। वहीं, दोनों ही पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। वायरल वीडियों में कपल काफी खुश नजर आ रहे हैं और पैप्स के देखकर मुस्करा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई। कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया है कि कबीर के साथ वायरल तस्वीरों में दिखी लड़की, उनकी फैमिली फ्रेंड है, जिसे वह अपनी बहन की तरह मानते हैं। हाल ही में कृति सेनन की फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई है। इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की।

हॉलीवुड मसाला

टेलर-ट्रैविस की शादी में चमकीं सेलेना

लॉस एंजेसिल। हॉलीवुड जगत की सबसे चर्चित शादियों में से एक, पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट और अमेरिकी फुटबॉलर ट्रैविस केल्स की शादी में टेलर स्विफ्ट की लगभग 18 साल पुरानी और बेहद करीबी दोस्त सेलेना गोमेज मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं, जो शादी में टेलर की ब्राइड्समेड बनी थीं। सेलेना गोमेज ने अपनी दोस्त टेलर स्विफ्ट की शादी के कार्यक्रमों के दौरान प्रसिद्ध फैशन ब्रांड ऑस्कर डे ला रेंटा की दो खूबसूरत ड्रेस पहनीं। रिहर्सल डिनर के मौके पर उन्होंने काले रंग का स्लीवलेस गाउन और डिजाइनर जूते पहने।

फ्री में नहीं देख सकेंगे हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन'

लॉस एंजेलिस। इस साल की सबसे बड़ी हॉरर सरप्राइज साबित हुई 'ऑब्सेशन' को प्राइम वीडियो और एप्पल टीवी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज तो कर दिया गया है, लेकिन फिलहाल यह फिल्म प्लेटफॉर्म के सब्सक्राइबर्स के लिए मुफ्त में उपलब्ध नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे देखने के लिए दर्शकों को पैसे चुकाने होंगे। फिल्म को खरीदने के लिए 24.99 डॉलर (लगभग 2,000 रुपए) और किराये पर लेकर देखने के लिए 19.99 डॉलर (लगभग 1,600 रुपए) की कीमत तय की गई है। मेकर्स इस महीने के अंत में इसके फुल-फ्लेज्ड स्ट्रीमिंग रिलीज की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन उसकी सटीक तारीख अभी साफ नहीं है। जो लोग इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे, उन्हें फिलहाल इसे किराए पर लेकर या खरीदकर ही देखना होगा।

पहली फिल्म के बारे में विद्या का खुलासा

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'परिणीता' से लोगों का दिल जीत लिया था। लेकिन बॉलीवुड में कदम रखना उनके लिए आसान नहीं था। खबर के अनुसार, सिमी गरेवाल के टॉक शो में विद्या बालन ने उस पल को याद किया, जब उन्हें इस फिल्म 'परिणीता' के लिए चुना गया था। विद्या ने बताया कि वे इस फिल्म के लिए कई ऑडिशन दे चुकी थीं और उन्हें लगभग लग रहा था कि वे रिजेक्ट हो चुकी हैं। विद्या ने बताया, 'मैं मशहूर सिंगर एनरिक के एक कॉन्सर्ट में थी। मैंने अपना फोन बंद कर रखा था, ताकि कोई परेशान न करे। मेरे साथ मेरा एक दोस्त था, जो फिल्म के डायरेक्टर प्रदीप सरकार को जानता था। जब प्रदीप सरकार ने मेरे दोस्त को फोन किया और पूछा कि विद्या कहां है?

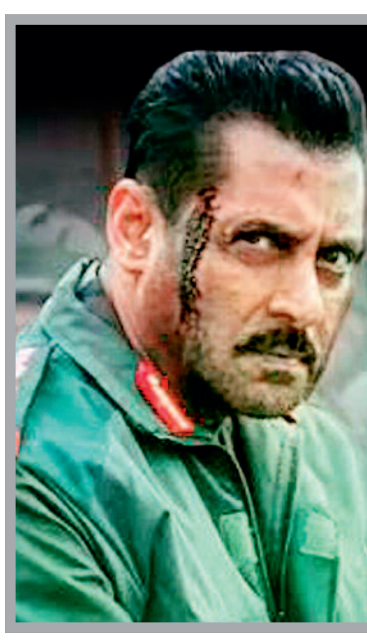

सेंसर बोर्ड के पेंच में सल्लू की फिल्म

मुंबई। सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' सेंसर बोर्ड के पेंच में फंस गई है और कहा जा रहा है कि फिल्म को सर्टिफिकेट नहीं मिल पाया है। यह फिल्म इसी साल पहले अप्रैल में और फिर स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होनी थी। हालांकि, अब तक मेकर्स ने इसकी रिलीज को लेकर घोषणा नहीं की है। वहीं अब खबर है कि सीबीएफसी ने सलमान की इस फिल्म को अभी सर्टिफिकेट नहीं दिया है और इसे लेकर कोशिश जारी है। कहा जा रहा है कि सेंसर बोर्ड से इस फिल्म को क्लीयरेंस सर्टिफिकेट नहीं दिया गया है। सलमान की 'मातृभूमि' को लेकर कहा जा रहा था कि ये इस साल अगस्त में स्वतंत्रता दिवस वाले वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। हालांकि, न तो फिल्ममेकर्स की ओर से रिलीज डेट और न ही सेंसर बोर्ड से किसी तरह की दिक्कतों पर किसी तरह की कोई बात कही है।

टीवी मसाला

'लॉकअप 2' में आकांक्षा का चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई। चर्चित अभिनेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला इन दिनों 'लॉकअप सीजन 2' में नजर आ रही हैं। इस शो को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में एंट्री करने के साथ ही आकांक्षा ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया कि सबको तगड़ा झटका लगा। उन्होंने बताया था कि उनका और गौरव खन्ना का तलाक हो रहा है। अब निजी जिंदगी पर उन्होंने एक और हैरान करने वाली बात कही है। आकांक्षा चमोला 'लॉकअप 2' में एक के बाद एक बड़े खुलासे कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने शो में खुद को बाइसेक्सुअल बताया। उन्होंने स्पष्ट किया की गौरव खन्ना से शादी से पहले उनके लड़कियों के साथ रिलेशन रहे। आकांक्षा ने कहा, 'मैं शादी से पहले बायसेक्सुअल थी। मेरे कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहे हैं। बहुत ज्यादा इंटिमेट रिलेशन नहीं रहे हैं, लेकिन मैं कुछ लड़कियों के साथ रिलेशनशिप में रही हूं। बस वही है। मुझे लड़कियां पसंद हैं। मैं लड़कियों की तरफ आकर्षित होती हूं। मुझे लगता है कि यही मेरा सेफ स्पेस है'। आकांक्षा चमोला के इस खुलासे के बाद नेटिजंस की सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रिया आ रही है। कुछ लोग इस बात को उनका पब्लिसिटी स्टंट करार दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि शो में ट्रेंड रहने के लिए और टीआरपी के लिए यह सब ड्रामा है।

फिल्म के टाइटल विवाद पर विराम

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की आगामी बायोपिक फिल्म 'ईथा' (**Eetha**) के नाम को लेकर चल रहा विवाद अब सुलझता नजर आ रहा है। यह फिल्म महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार दिवंगत विठाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है। पिछले दिनों परिवार के ही एक सदस्य के फिल्म के टाइटल पर आपत्ति जताए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि, अब विठाबाई की सबसे बड़ी बेटी ने सामने आकर इस पूरे मामले पर परिवार का रुख साफ कर दिया है और फिल्म के नाम का पूरा समर्थन किया है। आने वाली फ़िल्म का टाइटल तब बहस का विषय बन गया जब ऐसी खबरें आईं कि विठाबाई के पोते मोहित नारायणगांवकर ने 'ईथा' नाम पर आपत्ति जताई और मांग की कि टाइटल में दिवंगत कलाकार का पूरा नाम शामिल किया जाए। इस विवाद पर बात करते हुए, विठाबाई की सबसे बड़ी बेटी, 75 वर्षीय मंगला बनसोडे करावडीकर ने चिंताओं को खारिज कर दिया और बताया कि परिवार पूरी तरह से इस टाइटल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हमें फ़िल्म के टाइटल से कोई आपत्ति नहीं है। मैंने मोहित से बात की है और उनसे अनुरोध किया है कि वे इस बारे में आगे कोई बयान न दें। यह टाइटल सही है क्योंकि उन दिनों, जिन गांवों में मेरी मां परफॉर्म करती थीं, वहां के लोग अक्सर उन्हें 'ईथा' कहकर बुलाते थे।

विक्की मानसून में भी कर रहे जोरदार वर्कआउट

मुंबई। हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय में अपने अभिनय से पहचान बना चुके एक्टर विक्की कौशल फिटनेस को लेकर काफी सजग रहते हैं। उन्होंने फिटनेस के प्रति अपनी पूरी लगन की एक झलक फैंस के साथ साझा की। एक्टर ने अपने वर्कआउट सेशन का एक वीडियो शेयर किया और कहा कि कोई छुट्टी नहीं है। विक्की ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो क्लिप शेयर किया और कैप्शन में लिखा कि नो डेज ऑफ। वीडियो में एक्टर जबरदस्त 'बेयर क्रॉल' एक्सरसाइज करते हुए दिख रहे हैं। अनुशासित फिटनेस रूटीन बनाए रखने के लिए मशहूर विक्की अक्सर सोशल मीडिया पर अपने जिम सेशन की झलकियां फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। विक्की अब संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगे।

तमन्ना ने किया लीना संग बैंकॉक में स्टेज शेयर...

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और के-पॉप ग्रुप ब्लैकपिंक की सिंगर लीजा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों बैंकॉक के एक इवेंट में साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो में लीजा ने तमन्ना को हाथ जोड़कर नमस्ते करने के अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है, जिसके बाद दोनों के बीच किसी कोलेबोरेशन की अटकलें लगाई जा रही हैं।हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने 'ब्लैकपिंक' की सिंगर लीजा के साथ पोज देती नजर आई हैं। सोशल मीडिया पर इस समय उनका वीडियो लीजा के साथ काफी वायरल हो रहा है। तमन्ना में शानदार एक्टिंग और डांस के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस बैंकॉक के एक इवेंट में पहुंचीं और वहां पर मशहूर 'ब्लैकपिंक' की सिंगर के साथ नजर आईं है।

पहले मिलता था कलाकारों को सुधार करने का मौका : मधु

आज की अभिनेत्रियां शुरुआत से ही होती हैं परफेक्ट

***मुंबई।** 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री मधु ने अपनी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। उन्होंने 'फूल और कांटे', 'रोजा', 'जेंटलमैन' और 'योधा' जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। वह लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं। मधु का मानना है कि उनके दौर की अभिनेत्रियों को खुद को निखारने और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने का समय मिलता था, जबकि आज की अभिनेत्रियों के सामने शुरुआत से ही खुद को साबित करने की बड़ी चुनौती होती है।*

अब जल्द आ जाता है नया चेहरा

मधु ने कहा, हम सभी का करियर काफी लंबा रहा। मैंने अपनी इच्छा से करीब 9 साल बाद फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन मेरी साथ की अभिनेत्रियां लगातार काम करती रहीं। उन्होंने समय के साथ खुद को बदला, नए किरदार अपनाए और दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए रखी। आज की अभिनेत्रियों को इतना लंबा समय नहीं मिल पाता। वे पहली ही फिल्म में बेहद खूबसूरत और पूरी तरह तैयार नजर आती हैं, कुछ फिल्में करती हैं और फिर उनके जगह पर कोई नया चेहरा आ जाता है।

अभिनेत्रियों के सामने बड़ी चुनौती

मधु ने आगे कहा, हमारे समय का फायदा यह था कि शुरुआत में परफेक्ट न होने के बावजूद हमें खुद को साबित करने का मौका मिलता था। आज की अभिनेत्रियां शुरुआत से ही परफेक्ट होती हैं, लेकिन उन पर पहली ही फिल्म से अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहता है। उन्हें काफी सपोर्ट मिलता है, लेकिन अगर पहली फिल्म में दर्शकों को प्रभावित नहीं कर पाईं तो उनके लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है।

हमें मिलता था दूसरा मौका

मधु ने अपना उदाहरण देते हुए कहा, अगर दर्शकों को हम पसंद नहीं आते थे, तो हमें दूसरा और तीसरा मौका भी मिलता था। मेरे 9 साल के करियर में हर फिल्म मेरे लिए सीखने का एक नया अवसर थी। मैं शुरुआत में उतनी अच्छी नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे बेहतर होती गई। दर्शकों ने मुझे खुद को सुधारने का समय दिया। मेरी पहली फिल्म 'फूल और कांटे' में मैं बेस्ट नहीं थी, लेकिन लोगों ने मुझसे जुड़ाव महसूस किया। इसके बाद मुझे अपने अभिनय के साथ-साथ हेयरस्टाइल, मेकअप और स्क्रीन प्रेजेंस जैसी चीजों में भी सुधार करने का मौका मिला।

खबर संक्षेप

तालाब में डूबे बुजुर्ग की मौत, हादसे में युवक मृत

रायगढ़। जिले में शनिवार को दो अलग-अलग घटनाओं में एक बुजुर्ग और एक युवक की मौत हो गई। छाल थाना क्षेत्र के ग्राम कुड़ेकेला निवासी 65 वर्षीय रोहित सिदार दिनभर मजदूरी का काम करने के बाद शाम के समय गांव के तालाब में नहाने के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि वे अपने साथियों के साथ एक मकान की छत पर शीट लगाने का कार्य कर रहे थे। काम समाप्त होने के बाद वे अकेले तालाब की ओर चले गए, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटे। ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की तो उनका शव तालाब में मिला। शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चक्रधरनगर थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में तिलगा निवासी 27 वर्षीय वृंदावन राठिया की जान चली गई। युवक शनिवार को देर शाम किसी काम से पतरापाली गया था और रात के समय बाइक से वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान तिलगा मुख्य मार्ग पर उसकी बाइक आगे चल रहे ट्रेलर के पिछले हिस्से से जा टकराई।

चोरों ने फिर की मंदिर का ताला तोड़कर चोरी

कवर्धा/पोंड़ी। अभी करीब हप्ते भर पूर्व जिला मुख्यालय कवर्धा स्थित सब्जी बाजार के पास हनुमान मंदिर से अज्ञात चोरों द्वारा चोरी किए गए 25-30 तोला चांदी के मुकुट की बारदात के आरोपी को कवर्धा पुलिस पकड़ भी नहीं पाई है कि एक बार फिर अज्ञात चोरों ने पोंड़ी पुलिस चौंकी अंतर्गत ग्राम सिल्हाटी के विश्वेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात हांथ साफ करते हुए चोरी की बारदात को अंजाम दिया है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने मंदिर से चांदी का मुकुट, त्रिशूल सहित अन्य पूजन सामग्री चोरी कर चंपत हो गया। ग्रामीणों द्वारा चोरी की सूचना पुलिस को देने के बाद जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर अपनी औपचारिकताएं पूरी कर दी है।

रेस्क्यू : गहरी नींद में थे मजदूर, सुबह 4 बजे नदी ने लिया विकराल रूप

बगनई नदी उफान पर, पुलिया के नीचे बाढ़ में फंसे 14 मजदूरों का रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद/छुरा/महासमुंद

जिले में रविवार तड़के हुई मूसलाधार बारिश के बाद बगनई नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे छुरा विकासखंड के विजयपाल गांव के पास निर्माणाधीन पुलिया के नीचे बनी अस्थायी झोपड़ियों में रह रहे 14 मजदूर बाढ़ के पानी से चारों ओर से घिरकर फंस गए। सूचना मिलते ही छुरा पुलिस और महासमुंद से पहुंची एसडीआरएफ टीम ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय पर हुई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 4 बजे लगातार बारिश के कारण बगनई नदी उफान पर आ गई। निर्माणाधीन पुलिया में कार्यरत मजदूर पुल के नीचे अस्थायी झोपड़ियां बनाकर रह रहे थे।

उफनती नदी के बीच छुरा पुलिस और सीडीआरफ का संयुक्त अभियान

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समय पर सूचना मिलने और पुलिस व सीडीआरफ की त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के कारण सभी मजदूरों की जान बचाई जा सकी। रेस्क्यू अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए लोगों से नदी-नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। साथ ही निर्माण स्थलों और नदी किनारे अस्थायी रूप से रहने वाले श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। इस सफल रेस्क्यू अभियान के बाद विजयपाल सहित आसपास के ग्रामीणों ने छुरा पुलिस और सीडीआरफ की टीम की तत्परता, साहस और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि राहत दल समय पर नहीं पहुंचता तो यह घटना बड़े हादसे में बदल सकती थी।

सारागांव मार्ग की पुलिया बही, ओडिशा को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग बंद

छुरा। क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारी बारिश के चलते सारागांव मार्ग की पुलिया बह जाने से दर्जनों गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया बहने के कारण कोसमी, नवापारा, सारागांव, दुल्ला, चुरकीदादार और बम्हनी सहित कई गांवों के लोगों की आवाजाही बाधित हो गई है। वहीं, ओडिशा से जुड़ने वाला प्रमुख और आसान मार्ग भी बंद हो जाने से हजारों लोगों पर इसका सीधा असर पड़ा है। रविवार सुबह से ही पुलिया के दोनों ओर ग्रामीणों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। लोग आवश्यक कार्यों के लिए निकल तो रहे हैं, लेकिन रास्ता बंद होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है या फिर लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुलिया की शीघ्र मरम्मत अथवा अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि आवागमन जल्द से जल्द सुचारु हो सके। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए क्षेत्र के अन्य नदी-नालों और पुल-पुलियों पर भी खतरा बना हुआ है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

- दर्जनों गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से टूटा संपर्क

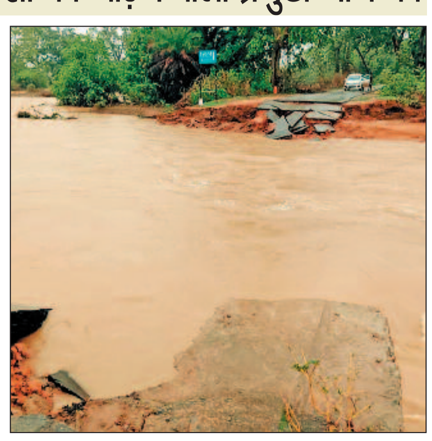

पहली बारिश में ही आलीवारा रेलवे ओवरब्रिज की सड़क में दिखीं दरारें

राजनांदगांव। जिले के आलीवारा में नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज पहली बारिश भी नहीं झेल पाई। यहां ओवरब्रिज की सड़क में लंबी-लंबी दरारें पड़ गई है। वहीं सड़क भी धंस रही है। ओवरब्रिज की एप्रोच रोड से लेकर ब्रिज के ऊपर तक सड़क में जगह-जगह लंबी दरारें दिखाई दे रही है। ओवरब्रिज के अगल-बगल बाउंड्रीवाल से सड़क धंस रही है। वहीं सड़क से डामर भी उखड़ने लगी है। आलम यह है कि नवनिर्मित यह ब्रिज जर्जर नजर आ रही है। केंद्र सरकार की योजना के तहत सुचारू रेल यातायात के उद्देश्य से ग्राम आलीवारा में इस ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है। करोड़ों रुपए की लागत से बनी यह ब्रिज भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। नवनिर्मित इस रेलवे ओवरब्रिज की सड़कों में पहली बारिश के दौरान ही दरारें पड़ने से सड़क धंसने को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा इस पर कार्रवाई करने और निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच की मांग भी की जा रही है।

यूपी जा रहा एक करोड़ का गांजा पकड़ा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले के नगरनार थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 214.300 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक साथी अंधेरे और बारिश का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिलने पर धनपुंजी फॉरेस्ट नाका में नाकेबंदी की गई। इस दौरान ओडिशा से जगदलपुर की ओर उत्तरप्रदेश जा रही महिंद्रा बोलेरो पिकअप क्रमांक यूपी 52 टी 2094 को धनपुंजी फारेस्ट नाका के पास रोककर तलाशी ली गई। वाहन में रखे 105 पैकेट गांजा, जिनका वजन 214.300 किलो और अनुमानित कीमत एक करोड़ 7 लाख 15 हजार रुपये को जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी 34 वर्षीय विजय पाण्डेय के रूप में हुई है। वहीं उसका साथी सोनू यादव मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

कार्रवाई में शामिल अधिकारी

ओडिशा से छत्तीसगढ़ राज्य की ओर होने वाले अवैध मादक पदार्थ गांजा के परिवहन पर अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग के निर्देशन, नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया है। महत्वपुर्ण भुमिका अदा करने वाले अधिकारी उप निरीक्षक सतीश यद्धुराज, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक दीपक कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक अजय साहु तुलसीदास कश्यप, आरक्षक दशरू नाग, विक्रम उरांव, यशवंत ध्रुव, डीएसएफ आरक्षक भास्कर भारद्वाज, आरक्षक चालक अविनाश मांझी का विशेष योगदान रहा है।

पुलिस ने गांजे के साथ तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप, एक मोबाइल फोन और 700 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (ख)(आईआई) (ग) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

महासमुंद में 32 किलो गांजा बरामद

महासमुंद। ओडिशा से गांजा लेकर गुजरात ले जा रहे दो आरोपियों को जिले की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 32 किलो से ज्यादा गांजा बरामद किया है। आरोपियों के विरूद्ध कोमाखान थाने में मामला दर्ज किया गया है। थाना कोमाखान पुलिस को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर एक आइशर ट्रक क्रमांक जीजे 19 वाय 3344 में 02 व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन की सूचना पर ग्राम टेमरी जांच नाका में उक्त ट्रक को रोककर वाहन चालक व सवार ने अपने नाम प्रदीप महापात्र पिता त्रिनाथ महापात्र (52 साल) निवासी तलरामपल्ली थाना कोदला जिला गंजाम ओडिशा और हाडुबंधु स्वांई पिता रंकनिधि स्वांई (47 साल) निवासी बादरखपल्ली थाना कोदला जिला गंजाम ओडिशा का रहने वाला बताए। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

प्रेम प्रसंग में पत्नी ने प्रेमी संग रची पति की हत्या की साजिश

हरिभूमि न्यूज. बेमेतरा/थानखम्हरिया

थाना क्षेत्र के ग्राम कोपेडबरी में हुए सनसनीखेज जानलेवा हमले का पुलिस ने महज तीन दिनों के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि घायल मनोहर साहू की हत्या की साजिश उसकी पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर रची थी। प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे पति को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी ने प्रेमी और उसके एक साथी के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई और सोते समय उस पर जानलेवा हमला कराया। पुलिस ने मामले में आरोपी पत्नी रानी साहू (23), उसके प्रेमी योगेंद्र चौहान उर्फ बादल (24) निवासी ग्राम कोसमंदा, थाना पिपरिया, जिला कबीरधाम तथा उसके साथी कन्हैयालाल उर्फ केडी यादव (23) को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपियों ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हॉकी स्टिक और चाकू भी बरामद कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 331(2) एवं 3(5) के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सोते समय किया था जानलेवा हमला

जानकारी के अनुसार, 1 और 2 जुलाई की दरम्यानी रात ग्राम कोपेडबरी निवासी मनोहर साहू (41) अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने घर में घुसकर उस पर हॉकी स्टिक एवं धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं तथा हाथ की नस भी कट गई। गंभीर रूप से घायल मनोहर साहू को पहले स्थानीय अस्पताल और बाद में रायपुर स्थित एम्स में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है।

प्रेम प्रसंग बना वारदात की वजह

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिला का योगेंद्र चौहान से प्रेम संबंध था। पति मनोहर साहू इस संबंध में सबसे बड़ी बाधा बन रहा था। इसी कारण पत्नी ने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर उसे हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की साजिश रची। पूर्व नियोजित योजना के तहत दोनों युवकों ने रात के समय घर पहुंचकर मनोहर पर जानलेवा हमला कर दिया।

ट्रेलर की चपेट में आए बाइक सवार, दो युवकों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

चक्रधर नगर थाना क्षेत्र में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई करते हुए आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, तमनार थाना क्षेत्र के ग्राम महलोई निवासी ज्ञानचंद राठिया पिता बुधुराम राठिया 21 वर्ष, प्रकाश राठिया पिता लाल साय राठिया 20 वर्ष और मुनावर राठिया पिता उसत लाल राठिया 21 वर्ष रविवार की सुबह किसी काम से रायगढ़ आए थे। शहर में काम निपटाने के बाद तीनों युवक करीब 11 बजे एक ही मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के बंगुरसिया के समीप एक तेज रफ्तार ट्रेलर क्रमांक ओडी 16 सी 7859 ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक कई फीट दूर जा गिरी और सवार युवक सड़क पर गिर पड़े। हादसे में प्रकाश राठिया ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ज्ञानचंद राठिया और मुनावर राठिया गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल भेजवाया। उपचार के दौरान मुनावर राठिया ने भी दम तोड़ दिया, जबकि ज्ञानचंद की हालत चिंताजनक बनी हुई है। इस घटना के बाद आरोपी ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को जब्त कर लिया है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

ऑफिस/फील्ड स्टाफ

आवश्यकता है- रायपुर मोवा दुबे कॉलोनी रोड मौर्य भारत गैस एजेंसी में ऑफिस स्टाफ , फील्ड स्टाफ और डिलीवरी बॉय की जरुरत है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क करे:-8370002700 , 9827152610.(RO-823)

आवश्यकता है- प्रकाश पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्राइमरी सेक्शन में D.El.Ed टीचर आवश्यकता है संपर्क - सेक्टर -11,जोन -1 खुर्सीपार भिलाई - 9399147944.(आरो न - 309)

टीचर

Requirement- science-chemistry and biology& commerce teacher contact Vardhman The School Nahar Road Krishna Nagar Santoshi Nagar Raipur. 9109329528. (RO-13)

केयर टेकर

आवश्यकता है- विकलांग युवक के देखभाल हेतु होनहार कामकाजी युवक की आवश्यकता है, रहना खाना फ्री वेतन योग्यतानुसार। संपर्क नंबर-7354988225 एड्रेस.... होटल ए डी टॉवर सिद्धार्थ चौक टिकरापारा रायपुर (RO-880)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- हार्मनी वेलनेस को अपने नए ब्रांच के लिए रिसेप्शनिस्ट, मैनेजर, एवं बैक ऑफिस टेलीकॉलर की आवश्यकता है, वेतन. 8000 से 15000 तक, संपर्क - हार्मनी वेलनेस स्पा एंड सैलून, साईं मंदिर के पास, महावीर नगर रायपुर छत्तीसगढ़ मो.91113-36222, 62625-57788.(RO-4753)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान मै लड़को/लड़की (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसार: *आशीष शुभम मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार राजबंधा मैदान रायपुर 81039 81038. (RO-169)

आवश्यकता है- बर्जर पेंट दुकान में कार्य हेतु लड़कों (कम से कम बारहवीं) की, वेतन 10 से 12,000, अनुभवी एवं आसपास रहने वालों को प्राथमिकता। अमृत सेल्स , स्टेशन रोड , रायपुर । मोबाइल 9827174205. (RO-169)

आवश्यकता है- मोबाइल स्टोर में मोबाइल एसेसरीज दिखाने हेतु लड़के- लड़कियों की (आकर्षक वेतन+ इंसेंटिव) योग्यता न्यूनतम 10वीं पास, आसपास रहवासी बायोडाटा के साथ संपर्क करें:- अबाबा मोबाइल, मेनरोड. तेलीबांधा 7869999902.(RO-041)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान मे काम करने के लिए जरुरतमंद लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करे , भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, रायपुर मोब. 8818933330, 8871997200. (RO-042)

आवश्यकता है- बिजली दुकान में काम करने हेतु लड़के- लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क:- सोनी इलेक्ट्रिकल्स, सेक्टर- 6 A मार्केट, भिलाई 7999028445, 9425553543.(आरो न - 310)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन एंव सेल्सगर्ल की आवश्यकता हैं। वेतन 8000 से 15000 तक मोबाइल नं. 9131315998. संपर्क करें:- राजेश कलेक्शन मालवीय रोड जवाहर बाजार के सामने (RO-271)

अकाउंटेंट/डिजाइनर

आवश्यकता है- वेडिंग प्लानर कंपनी को अकाउंटेंट (अनुभवी या फ्रेशर दोनों), ग्राफिक डिजाइनर/पीपीटी एक्सपर्ट, टेलीकॉलर, साइट मैनेजर और सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है। कॉल करें: 8480670000, 7828073173.(RO-0134)

ड्रायवर

आवश्यकता है- बस ड्राईवरों की आवश्यकता है अपोलो कॉलेज अंजोरा दुर्ग -8770899610.(आरो न - 1309)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- जयस्तंभ चौक स्थित रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु किचन हेल्पर, वेटर (मेल/फीमेल), कैप्टन, किचन सुपरवाइजर, स्टोर कीपर की आवश्यकता है. आकर्षक वेतन. दोपहर 12 से शाम 5 के मध्य संपर्क करें:- गिरनार रेस्टोरेंट, जयस्तंभ चौक, रायपुर मोबाइल- 7089034776.(RO-16575)

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर, कप्तान जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव-प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590 (आरो नं.-311)

आवश्यकता

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800. (RO-095)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 12000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 8982834337. (RO-529)

हरिभूमि

ड्रायवर

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के ।जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955. (RO-63586)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - लोन SAI KRIPA FINANCIAL SERVICE पर्सनल लोन ,मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन , लोन ट्रांसफर (B.T) , होम लोन, के.सी.सी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पता:- शॉपनं.231 आकाशंगगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.- नुरज सिंह राजपुत - 7587287565, 9165058207, 83139119645. (आरो न - 307)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना

सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई

प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक

9098889899

जैकेट के शेष

कांग्रेस ने विकास के ....

कौन सी जिम्मेदारी चुनौती पूर्ण है? खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री होना या जिले का प्रभारी मंत्री होना?

बघेलः- हकीकत में चुनौती शब्द खासकर खाद्य विभाग में सही है। धान खरीदी में काफी मेहनत होती है। किसानों को खुश रखना होता है। धान लेकर आने वाले किसान का धान तौल हो जाए और समर्थन मूल्य की राशि पहुंच जाए, यह प्राथमिकता होती है और यही हुआ भी। खरीदी का बहुत बड़ा क्षेत्र हैं जिसमें 149 लाख मिट्रीक टन धान खरीदी करते हुए जिले के किसानों को तत्काल पूर्ण भुगतान खातों में पहुंच गई। धान खरीदी में इसी प्रकार का परेशानी न हो बारदाने की कमी न हो तौलाई ठीक हो इस में ध्यान देने के साथ यह भी देखा जाता है कि कहीं बाहर से कोचिए का धान नही आ रहा। इस पर निगरानी भी करनी होती है। कंट्रोल रुम तैयार कर नजर बनाए रखी और मेहनत से धान खरीदी किए जाने से किसान खुशहाल हैं। शहर में ही नही गांव में भी किसान संपन्न नजर आने लगा है।

जिले की चुनौती मानते हैं फिर भी अवैध धान के केस सबसे ज्यादा हैं?

बघेलः-जिले का प्रभारी मंत्री मंत्री हूं, लगातार प्रशासनिक अफसरों से टच में रहने के साथ रेत खदान की शिकायतों पर भी हमनें कार्रवाई की है। 17 खदानों में 17 चैन माउंटन जब्त हुई और और जुर्माना भी हुआ। इस बार भी कार्रवाई, जुर्माना और दंड जारी है। रेत मामलों में सबसे अधिक माफियाओं को बचाने के लिए किसके फोन आने के प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि जो गलत करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। मंत्री ने कहा कि जिले के सभी कार्यकर्ता जागरुक हैं, यहां सबसे ज्यादा पूर्व विधायक हैं जिनके साथ विधानसभा में रहा।

ऐसा क्या करते हैं जो सभी आपके साथी पूर्व विधायक हो जाते हैं?

बघेलः- सभी वर्तमान में पार्टी से जुड़ें हैं, सभी हमेशा क्षेत्र की भलाई और विकास के लिए संगठन के लिए कार्य करते हैं।

राइस मिलर परेशान हैं, वे बता रहे कि तीन साल से पैसे नही मिले?

प्रभारी मंत्री दयालदास बघेलः- कोई राईस मिलर परेशान नहीं। पहले एक मिल से दो फिर अब तीन हो चुके हैं। कोई परेशान नही। राशि का लगातार भुगतान हो रहा है। मिलिंग की दर को 120 से घटाकर कम नही किया। 40 रुपए मिलते थे, कांग्रेस सरकार ने 120 रुपए देने की शुरुआत की। जिसे घटाकर 40 का दोगुना याने 80 रुपए किया। मुख्यमंत्री के साथ लगातार मिलरों की बैठकें जारी है। और कोई परेशानी नही।

प्रशिक्षण देने की उम्र में चिंतन शिविर में प्रशिक्षण ले रहे, क्यों?

बघेलः- कांग्रेस के कार्यकाल में क्या हुआ सब जानते हैं उनके घोटालों के बारे में। विकास की बात करते हैं लेकिन, 5 साल में एक धमेला गिट्टी नही डाला और सड़के कांग्रेसी कार्यकाल में ही खराब हुई। नरवा, गरवा, घुरुआ, बारी का नारा देने वाले कांग्रेसी बताएं कि कितना घोटाला हुआ इस योजना में। एक भी उदाहरण प्रस्तुत कर पाने लायक नही हैं कांग्रेसी। गौठान में गड़बड़ी का ठिकाना नही रहा, गोबर पानी में बह गया। गौ मूत्र खरीदे नही इसके नाम से भी घोटाला किया।

खल्लारी में द्वारिकाधीश और सरायपाली में चातुरी नंद ने चुनाव इतने अंतर से कैसै जीता?

बघेलः- स्थिति परिस्थिति के ऊपर है, अब तो जीत चुके हैं। सरकार आने की उम्मीद थी नही आ पाए। जनता देख रही कि कितना झूठ बोला गया। गंगा जल की कसम खाकर शराबबंदी करने की बात करने वालों के कार्यकाल में कोरोना काल में पानी नही मिलता था लेकिन, घर-घर शराब सुबह 6 बजे पहुंच जाती थी। भाजपाईयों ने जनता की सेवा की। दोनों विधानसभा में चिंता नही है, जनता का मूड है। दौरा कर रहे विकासकार्य कर रहे।

यादव ने साधा सरकार पर ...

बुलडोजर चलाने से कुछ घंटे पहले प्रशासन सांसद बृजमोहन अग्रवाल को आश्वस्त करता है कि मकान नहीं टूटेगा, लेकिन होता इसके उलट है। इस सरकार में सांसद की स्थिति इससे जाहिर होती है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और नीतियों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने अवैध रेत खनन पर समुचित कार्रवाई न होने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा सरकार के 15 साल के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार किसानों के हितों की उपेक्षा कर रही है।

सांसद से बेबाक सवाल ...

विद्याचरण शुक्ल, श्यामचरण शुक्ल और पवन दिवान इस क्षेत्र में सांसद रहे। पिछड़ा क्यो कहलाता रहा यह संसदीय क्षेत्र? हम क्या कहेंगे?

सांसद चौधरीः- समय परिस्थितियां हैं। सभी ने अपने स्तर पर बेहतर कार्य किया। गांव के दूरस्थ लोगों की आवश्यकताओं को पीएम मोदी की सोच के चलते विकास देखने को मिल रहा है। कभी लालकिले की प्राचीर से शौचालय की बात करना हंसी का कारण होता था। अटल जी ने पीएमजीएसवाय से जुटने से शिक्षा स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं बढ़ी हैं। कृषि प्रधान लोक सभा है। धमतरी में गंगरेल, गरियाबंद में भी सिचांई के साधन उपलब्ध हैं। महासमुंद जिले के बसना और सरायपाली में वाटर लेवल डाउन हैं। सिकासेर बड़ी उपलब्ध हैं। उलट में बेकार बह जाने वाला पानी को स्टोरेज करने पाईपलाइन के माध्यम से बिना बर्बाद हुए कोडार डेम में भरा जाएगा। फिर किसानों से बचने वाले पानी को उद्योग के लिए दिए जाने की बात होगी।

संसदीय पद बरकरार रहे इसके लिए साय सरकार कैसा कार्य कर रही है?

सांसद - बेहतर कार्य कर रही है। राजस्व को ठीक करना चुनौती रहा है। जिसके लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। 1076 सीएम हेल्पलाईन से लोग 24 घंटे शिकायत और निवारण का कार्य हो रहा। राजस्व की शिकायतें भी तत्काल निराकरण समय सीमा के भीतर दूर की जा रही हैं। जल्द परिणाम देखने को मिलेगा। सीएम अच्छा कार्य कर रहे हैं। महतारी वंदन को छलावा बताने वाले बताएं कि जिन सीटों पर कांग्रेस जीती है, वहां यह आरोप क्यों लागू नही हो रहे। हमें गंगा जल हाथ में लेने की आवश्यकता नहीं। शराब की डिलीवरी कोरोना के समय पर कांग्रेस सरकार ने डिलीवरी दी। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी को वैक्सीन बनाकर जान बताई और कांग्रेसियों ने इसका दुष्प्रचार किया।

सांसद की समस्या के लिए विधायक द्वारिकाधीष आवाज उठा रहे, ऐसा क्यों?

सांसद -जिस सड़क कोमाखान-छुरा की बात हो रही है वह सड़क स्वीकृत हो गई है। गाड़ाघाट का पुल और तुमगांव का रोड कांग्रेसियों को नहीं दिखा। यह हमारी सरकार की उपलब्धि है। उस पुल और सड़क को हम बना रहे। कसडोस से कोमाखान और छुरा मार्ग का कार्य हम कर रहे हैं। कांग्रेसी सर्वे का भूमिपूजन करते आए हैं। रेलवे लाईन की डीपीआर बनना शुरु हो चुका है।

आश्वस्त हैं द्वारिकाधीश यादव और चातुरी नंद कि भूपेश बघेल एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे?

यह तो समय बताएगा। भाजपा अच्छी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। महिलाओं और किसानों के लिए भाजपा लगातार कार्य कर रही। कांग्रेस का महिला विरोध चेहरा तब सामने आया जब उन्होनें महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया। महिलाओं को मिले अवसर पर विरोध, युवाओं के लिए विरोध और विकास विरोधियों को जनता पहचानेगी।

बतौर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कैसे मुख्यमंत्री हैं?

सांसद रुपकुमारी चौधरीः- लोकप्रिय सीधे-साधे और आदिवासी। कार्य प्रशंसनीय है। मोदी की गारंटी पर घोषणा को पूरा किया। 18 लाख पीएम आवास को गंभीरता से लेते हुए भाजपा की सरकार बनते ही 18 लाख पीएम आवास स्वीकृत किए। जो हर गांव में तैयार हो रहे।

देश-विदेश में छग ....

बिस्तर पर थीं। 27 मई को उन्हें गंभीर स्थित में एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उनके स्वास्थ्य में गिरावट आने पर दो दिन पूर्व उन्हें आईसीयू से सीसीयू में शिफ्ट किया गया था। रविवार को अलसुबह करीब तीन बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर जैसे ही मिली पूरा छग में शोक की लहर दौड़ गई। सीएम विष्णुदेव साय ने अस्पताल पहुंचकर पंडवानी की स्वर साम्राज्ञी के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावीभीनी श्रद्धांजलि देकर उनके अवसान को कला जगत की अपूरणीय क्षति बताया। सीएम श्री साय ने उनके शोकसंतप्त परिजनों को ढाढस बंधाते हुए तीजन की पार्थिव काया को सम्मान जल्द से जल्द पैतृक ग्राम गनियारी रवाना करने के भी इंतजाम के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे भारतीय लोककला और सांस्कृतिक जगत की अपूरणीय क्षति बताया है।

हजारों हुए शामिल : रायपुर से जैसे ही करीब 11 बजे एंबुलेंस से तीजन बाई की पार्थिव देह को गनियारी लाया गया पूरा गांव शोक में डूब गया। घर में परिजन हमला काबर अकेल्ला छोड़ चल देव और अब हमन ला कोन आशीर्वाद दे ही कहकर बिलख पड़े। उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। घर पर परिजनों के पूजा आदि अंतिम रस्म के बाद तीजन बाई की अंतिम यात्रा मुक्तिधाम के लिए निकली। फूलों मालाओं से सजे शववाहन के पीछे लोग सैकड़ों लोग पैदलस दोपहिया और जन प्रतिनिधि व कलाकार आदि का काफिला जब तक सूरज चांद रहे तीजन आपका नाम रहेगा जयघोष करता चल रहा था। यहां सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में राजकीय सम्मान से उनका अंतिम संस्कार किया गया। मंझले पुत्र दिलहरण ने जैसे ही मुखाग्नि दी पूरा परिसर तीजन बाई अमर रहे के जयघोष से गूंज उठा।

पंडवानी गायन के लिए ....

को ही जीवन का उद्धेश्य बना लिया।

पंडवानी की दी नई पहचान : तीजन ने देश और अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर पंडवानी की नई पहचान दी। पंडवानी छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकगायन शैली है, जिसमें महाभारत की कथाओं का गायन और अभिनय किया जाता है। पहले महिलाएं केवल बैठकर श्वेदमती शैलीश में पंडवानी प्रस्तुत करती थीं, जबकि कापालिक शैली में मंच पर अभिनय के साथ प्रस्तुति पुरुष कलाकार देते थे।तीजनबाई इस परंपरा को बदलने वाली पहली महिला बनीं। उन्होंने कापालिक शैली में मंच पर अभिनय, संवाद, भाव-भंगिमा और स्वर के अद्भुत समन्वय से पंडवानी को नई पहचान दी। उनका तानपुरा कभी भीम की गदा, कभी अर्जुन का धनुष तो कभी दुर्योधन की तलवार बन जाता है, जिससे दर्शक पूरी तरह महाभारत के दृश्य में खो जाते हैं।

अलंकरण, सम्मान, उपाधियां : तीजनबाई ने अपनी कला का प्रदर्शन भारत ही नहीं बल्कि ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, तुर्की सहित अनेक देशों में किया। उनकी प्रस्तुतियों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय लोककला की नई पहचान बनाई। उन्होंने साबित किया कि लोककला किसी भाषा या सीमा की मोहताज नहीं होती। डॉ. तीजनबाई को कला जगत में उनके असाधारण योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है। पद्म भूषण से अलंकृत पद्मश्री (1988 राष्ट्रपति आर वेंकट रमन प्रदत्त), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1995), पद्म भूषण (2003 एपीजे कलाम) और पद्म विभूषण (2019-आर कोविंद) शामिल है। इसके अलावा देश-विदेश की अनेक संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित किया है और कई विश्वविद्यालयों ने उन्हें मानद उपाधियों से भी अलंकृत किया है।

चिंतन शिविर शासन ....

शिविर 3.0' का समापन हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मंत्रिपरिषद के सदस्यों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा देश के प्रतिष्ठित नीति विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विषय विशेषज्ञों ने शासन, विकास और जनसेवा के विभिन्न आयामों पर व्यापक विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने कहा, चिंतन शिविर अब केवल विचारों के आदान-प्रदान का मंच नहीं रह गया है, बल्कि शासन व्यवस्था में ठोस सुधारों का प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक-संचालित और नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील प्रशासन विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चिंतन शिविर 3.0 से प्राप्त सुझाव विकसित छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को नई दिशा देंगे तथा इन्हें शीघ्र ही नीतिगत एवं प्रशासनिक पहलों के रूप में लागू किया जाएगा।

पर्यटन मॉडल पर जोर : दूसरे दिन आयोजित 'सतत समृद्धि के इंजन के रूप में पर्यटन' विषयक सत्र में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं पर्यटन नीति विशेषज्ञ सुमन बिल्ला ने कहा, छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, जनजातीय और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में देश का अग्रणी हाई-वैल्यू, लो-इम्पैक्ट पर्यटन गंतव्य बनने की अपार क्षमता रखता है। उन्होंने पर्यटन अवसंरचना, सामुदायिक भागीदारी, निवेश, उत्तरदायी पर्यटन और सुशासन आधारित पर्यटन मॉडल पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से कहा, केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर क्षेत्र, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बना सकता है। राज्य की औद्योगिक नीति भी पर्यटन निवेश को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

पत्थर खदान धंसी, ...

से काफी मशक्कत के बाद दबे हुए युवकों को बाहर निकाल लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। फिलहाल मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। वहीं अवैध रूप से खदान के संचालन को लेकर सवाल उठाए जा रहे है। बताया जा रहा है कि सूरजपुर कोतवाली थाना अंतर्गत स्थित ग्राम लाची में अवैध रूप से पत्थर खदान संचालित है। इस खदान से प्रतिदिन ग्रामीण बड़े बड़े बोल्डर पत्थर निकालकर गिट्टी बेचने का काम करते है। रविवार की सुबह 11 बजे लाची गांव के दो युवक 20 वर्षीय जमुना प्रसाद आ. धनेश्वर प्रसाद व 20 वर्षीय जयपाल आ. जयसिंह गोंड भी खदान से पत्थर निकालने के लिए गए हुए थे। इस दौरान दोपहर लगभग 12 बजे अचानक ही खदान के अंदर एक बड़ा चट्टान और मिट्टी का मलबा भरभराकर गिर गया।

अवैध रूप से हो ....

वर्तमान में बारिश के बाद यह खदान खतरनाक हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्होंने दोनों युवकों को खदान के अंदर जाने से मना किया था लेकिन वे नहीं माने। ऐसे में इस अवैध रूप से संचालित खदान को लेकर सवाल खड़े हो गये है।

बाघ की खाल ....

सोमवार को महत्वपूर्ण खुलासा कर सकते हैं।

इंस्टाग्राम विज्ञापनों में ....

दुर्व्यवहार को बढ़ावा देते हैं या उन तक पहुंच आसान बनाते हैं। यह कदम सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के उस निर्देश के एक दिन बाद उठाया गया है जिसमें उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों से मेटा को तलब करने को कहा था।

पूरा मामला इंस्टाग्राम विज्ञापनों से जुड़ा है, जिन पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामाग्री को बढ़ावा देने का आरोप है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने मेटा को भेजे नोटिस में बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामाग्रियों के विज्ञापनों के आरोपों पर स्पष्टीकरण और मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सात दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण भी मांगा है। कैलिफोर्निया मुख्यालय वाली प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के पास फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया मंच का स्वामित्व है।

गलत पैसे वसूल रहे हैं कुछ लोग, सार्वजनिक चेतावनी जारी

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर मंत्रालय से जुड़े होने के फर्जी दावों से किया सावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ व्यक्तियों और अकाउंट्स को लेकर सार्वजनिक चेतावनी जारी की है। मंत्रालय ने कहा है कि कुछ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह झूठा दावा कर रहे हैं कि वे विदेश मंत्रालय को व्यापार, माइग्रेशन और अन्य नीतिगत मामलों में सलाह देते हैं। इतना ही नहीं, कुछ लोग पैसे लेकर यह भी दावा कर रहे हैं कि वे लोगों को विदेश मंत्रालय के साथ काम करने या मंत्रालय में अवसर प्राप्त करने के तरीके सिखाते हैं। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडियाहैंडल से जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि ऐसे व्यक्तियों या सोशल मीडिया हैंडल का मंत्रालय से किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसे भ्रामक दावों और फर्जी पोस्टों से सावधान रहें तथा किसी भी प्रकार की फीस या भुगतान करने से पहले जानकारी की सत्यता अवश्य जांच लें।

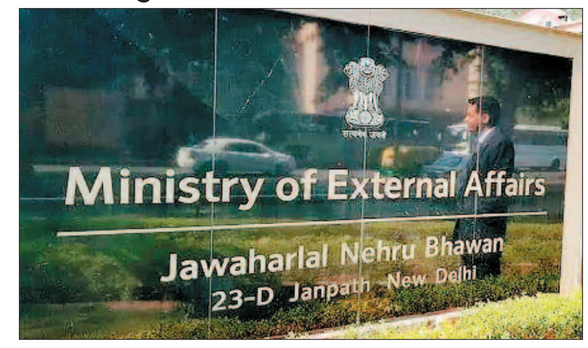

क्या कहा विदेश मंत्रालय ने?

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ व्यक्ति सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट कर रहे हैं, जिनसे यह आभास कराया जा रहा है कि वे व्यापार, इमिग्रेशन और अन्य नीतिगत मामलों में विदेश मंत्रालय के सलाहकार हैं। इसके अलावा, वे भुगतान लेकर /"विदेश मंत्रालय के साथ कैसे काम करें/" जैसे विषयों पर सेशन और सलाह भी दे रहे हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इन लोगों का विदेश मंत्रालय से कोई आधिकारिक संबंध नहीं है और जनता को ऐसे भ्रामक दावों से सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया प्रोफाइल भी चर्चा में

सोशल मीडिया पर मंत्रालय की चेतावनी के साथ कुछ ऐसे प्रोफाइल भी साझा किए जा रहे हैं, जिनमें विदेश नीति, सार्वजनिक नीति और मंत्रालय से जुड़े होने जैसे दावे किए गए हैं। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने किसी व्यक्ति का नाम लेकर कार्रवाई की घोषणा नहीं की है, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी सोशल मीडिया प्रोफाइल या व्यक्ति के दावों को मंत्रालय की आधिकारिक मान्यता नहीं समझा जाना चाहिए।

लोगों से क्या अपील?

विदेश मंत्रालय ने नागरिकों से आग्रह किया है कि सोशल मीडिया पर मंत्रालय से जुड़े होने के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करें। /"एमईए में नौकरी/", /"एमईए के साथ काम करने का तरीका/" या /"सरकारी नीति पर विशेष पहुंच/" के नाम पर पैसे मांगने वालों से सावधान रहें। केवल विदेश मंत्रालय और भारत सरकार के आधिकारिक प्लेटफॉर्म से जारी जानकारी पर ही भरोसा करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या फर्जी दावे की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें।

बढ़ रहे हैं ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले

डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग के साथ सरकारी संस्थानों के नाम पर फर्जी सलाह, नकली प्रशिक्षण कार्यक्रम और भुगतान आधारित कोर्स के जरिए लोगों को ठगने के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में विदेश मंत्रालय की यह चेतावनी आम नागरिकों, छात्रों, नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं और विदेश नीति में रुचि रखने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया है कि उससे जुड़े किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम, भर्ती, इंटर्नशिप या नीति संबंधी जानकारी के लिए केवल मंत्रालय के आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा किया जाए और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट दावों से बचा जाए।

पेज एक के शेष

सूखे पर ...

गर्जना, तेज हवा के साथ हुई बरसात का दौर सुबह तक चलता रहा। इस बार की वर्षा ने शहर में पिछले दस साल का रिकार्ड तोड़ने के साथ रायपुर जिले के 40 फीसदी संकट की भरपाई कर दिया। इतना ही नहीं रविवार दोपहर को इसका प्रभाव झड़ी के रूप में नजर आया और शाम साढ़े पांच बजे तक यहां 15 मिमी. से ज्यादा पानी बरस गया। बरसात केवल रायपुर जिले तक सीमित नहीं रहा इसका सर्वाधिक असर गरियाबंद जिले के राजिम में हुआ,जहां 190 मिमी.पानी बरसा। इसके साथ 37 स्टेशनों में 190 मिमी. से 50 मिमी. तक भारी वर्षा दर्ज की गई।

बड़ा असर अब बिलासपुर संभाग में : प्रबल अवदाब के रूप में सक्रिय हो चुके सिस्टम का भारी असर सोमवार को बिलासपुर संभाग के पश्चिमी जिले तथा उससे लगे अन्य संभाग के जिलों में होने के आसार हैं। इसके अलावा अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वर्तमान में अवदाब उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर उड़ीसा-पश्चिम बंगाल तट पर स्थित है। इसके लगातार पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए उत्तर उड़ीसा और उत्तर छत्तीसगढ़ की तरफ अगले 24 घंटे में पहुंचने की संभावना है। सीजनल द्रोणिका दक्षिण पश्चिम राजस्थान से पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक मध्य प्रदेश, उत्तर छत्तीसगढ़, उत्तर उड़ीसा और अवदाब के केंद्र तक, 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। हवा का विंड शियर जोन 21 डिग्री उत्तर में 3.1 किलोमीटर से 7.6 कम ऊंचाई तक विस्तारित है।

पिछले साल 134 मिमी. का रिकार्ड : रायपुर (लालपुर) मौसम विज्ञान केंद्र में पिछले साल 26 जुलाई को 134.3 मिमी. बारिश हुई थी। यहां पिछले दस साल का रिकार्ड था जो शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात हुई बरसात से ब्रेक हुआ है, यहां सुबह साढ़े आठ बजे तक 154 मिमी. बारिश हो चुकी है। लालपुर के अलावा शहर के अन्य क्षेत्रों जैसे अभनपुर में 69, आरंग में 37, धरसींवा में 71, गोबरा-नवापारा में 143, खरोरा में 46, लाभांडी में 124, माना में 138, मंदिर हसौद में 83, रायपुर शहर में 153 और तिल्दा में 52 मिमी. बारिश दर्ज हुआ था।

एक साल पुराना डेटा ...

लेकर तीखी बहस हुई थी। चैट्स में अनुकल्प, लवकुश पर आरोप लगा रहा था कि उसने ज्यादा रकम अपने पास रख ली और उसका पूरा हिस्सा नहीं दिया। यानी जिस रकम के लिए कथित तौर पर पूरा खेल खेला गया, उसी रकम के बंटवारे ने आरोपियों के बीच दरार भी पैदा कर दी। सूत्रों के मुताबिक, मोबाइल डेटा से पुलिस को 2 करोड़ रुपए से अधिक की कथित चोरी से जुड़ी जानकारी मिली है। अब जांच टीम इन चैट्स में लिखी रकम का मिलान बैंक खातों में हुए ट्रांजेक्शन से कर रही है।।

कोपरा में घुरवा ...

(उम्र 5 से 6 वर्ष) रोज की तरह घर के सामने खेलते-खेलते इस गड्ढे के पास पहुंच गए। आशंका जताई जा रही है कि खेलते समय अचानक पैर फिसलने के कारण दोनों बच्चे करीब 10 से 12 फीट गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही पांडुका थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शवों का पंचनामा तैयार कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए राजिम शासकीय अस्पताल भेज दिया है।

पांडुका पुलिस का कहना है कि प्राथमिक तौर पर मामला पानी में डूबने से मौत का लग रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

एआई के लिए अलग कानून की तैयारी, सरकार जल्द ला सकती है नया रेगुलेटरी फ्रेमवर्क

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के बीच भारत सरकार जल्द ही एआई के लिए अलग कानूनी ढांचा तैयार कर सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने संकेत दिए हैं कि अब एआई को नियंत्रित करने के लिए विशेष कानून बनाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय जल्द ही एआई रेगुलेशन का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। अब तक केंद्र सरकार का मानना था कि एआई से जुड़े मामलों से निपटने के लिए मौजूदा कानून, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट और आईटी नियम पर्याप्त हैं। लेकिन अब सरकार AI तकनीक के तेजी से बढ़ते दायरे को देखते हुए अलग कानूनी व्यवस्था बनाने पर विचार कर रही है। संभावित नए कानून में डीपफेक, भ्रामक जानकारी, ऑनलाइन फ्रॉड, एआई के दुरुपयोग और डिजिटल सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से शामिल किया जा सकता है। सरकार का उद्देश्य एआई इनोवेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसके गलत इस्तेमाल पर भी प्रभावी नियंत्रण रखना है।

■ आईटी सचिव एस. कृष्णन ने दिए संकेत

दुनिया के कई देशों में पहले से लागू हैं एआई नियम

एआई रेगुलेशन को लेकर दुनिया के अलग-अलग देशों ने अलग मॉडल अपनाए हैं। यूरोपीय संघ एआई एक्ट लागू कर चुका है। वहीं ब्रिटेन मौजूदा रेगुलेटर्स के जरिए एआई की निगरानी कर रहा है। अमेरिका फिलहाल कार्यकारी आदेशों और कंपनियों की स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं के आधार पर आगे बढ़ रहा है, जबकि चीन ने जनरेटिव एआई और डीप सिंथेसिस तकनीकों के लिए अलग नियम बनाए हैं। आईटी सचिव एस. कृष्णन ने बताया कि भारत अमेरिकी सरकार और एआई कंपनी के साथ बातचीत कर रहा है।

राशिफल

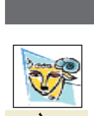
मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती है।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

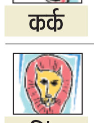
सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती है।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 6278

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6277 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	वा	य	लि	न
■	ल	■	रा	■	प	व	न	■	ख	फा
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स
ह	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■
न	वी	न	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न
■	र	■	वा	■	स	दा	■	रि	■	वी
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■
ज	रु	र	त	■	ना	■	त	ल	वा	र

सूडोकू नवताल - 6288

कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3						1		2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकू नवताल-6287 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

खबर संक्षेप

आरबीआई ने बैंक ऑफ बड़ौदा पर जुर्माना लगाया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि नियामकीय मानकों के कुछ प्रावधानों के अनुपालन में कमी पाए जाने पर बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) पर 63.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि 31 मार्च, 2025 तक की वित्तीय स्थिति के आधार पर बैंक का वैधानिक निरीक्षण किया गया था और इसके बाद उसे नोटिस जारी किया गया। बैंक से मिले जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई ने पाया कि कुछ ऋण खातों में बैंक ने तय ब्याज दर से अधिक ब्याज वसूला।

चालू वित्त वर्ष में वस्तु व सेवा निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात को बढ़ाकर करीब 530 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जो लगभग 16-17 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। गोयल ने यहां 'व्यापार बोर्ड' की बैठक में कहा कि सेवा क्षेत्र के निर्यात के लिए 2026-27 में लगभग 470 अरब डॉलर का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 11 प्रतिशत वृद्धि के बराबर है।

अमरनाथ मार्ग पर एयरटेल मोबाइल नेटवर्क का विस्तार

श्रीनगर। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ की पवित्र गुफा तक जाने वाले दोनों मार्गों पर अपने मोबाइल नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की। यह घोषणा 57 दिन की वार्षिक अमरनाथ यात्रा की शुरुआत के साथ हुई। यह यात्रा अनंतनाग जिले के 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से संचालित होती है।

ओडिशा में निवेश के लिए जापानी कंपनी से करार

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने एसीएमई समूह और जापान की आईएचआई कॉरपोरेशन के साथ 67,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए सहयोग ज्ञापन (एमओसी) पर हस्ताक्षर किए। इस निवेश का मकसद हरित औद्योगीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और जापान के उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। माझी ने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच नयी दिल्ली में हुई वार्ता के एक दिन बाद हुआ।

मांग बढ़ने से बीते सप्ताह मूंगफली तेल में सुधार

नई दिल्ली। सूरजमुखी तेल से सस्ता होने तथा बिनौला तेल की उपलब्धता बेहद कम रहने के बीच मांग बढ़ने के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली तेल-तिलहन तथा कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए। ऊंचे दाम पर कमजोर लिवाली से सरसों तेल-तिलहन, बीते सप्ताह प्लांट वालों द्वारा खरीद का दाम घटाने की वजह से सोयाबीन तेल-तिलहन, लागत से नीचे दाम की बिकवाली की वजह से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए।

अब लोन व वसीयत में मिले पैसे की देनी होगी जानकारी, टैक्स पर नहीं पड़ेगा असर

आयकर विभाग ने अपनी ऑनलाइन फाइलिंग वेबसाइट में नया कॉलम जोड़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने का सिलसिला शुरू हो चुका है। अगर आप भी इस साल अपना टैक्स रिटर्न दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं, तो ई-फाइलिंग पोर्टल पर आपको एक बहुत बड़ा बदलाव नजर आएगा। आयकर विभाग ने अपनी ऑनलाइन फाइलिंग वेबसाइट के साथ-साथ जेसन यूटिलिटी में एक बिल्कुल नया कॉलम जोड़ दिया है। इस नए सेक्शन का नाम 'रिसिप्ट नाट इन दी नेटर ऑफ इनकम' रखा गया है। टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के मकसद से यह नया विकल्प फिलहाल केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पेश किया गया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर आप सरकार की तरफ से नोटिफाई किए गए आधिकारिक आईटीआर फॉर्म का पीडीएफ वर्जन देखेंगे, तो उसमें यह कॉलम कहीं नजर नहीं आएगा। इसे मुख्य रूप से ऑनलाइन फाइलिंग पोर्टल और डिजिटल यूटिलिटी का ही हिस्सा बनाया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि जब आप अपना रिटर्न ऑनलाइन सबमिट करने जाएंगे, तभी आपको इस नए सेक्शन में अपनी वित्तीय जानकारी दर्ज करनी होगी।

टैक्स देनदारी पर नहीं पड़ेगा असर

इस नए अपडेट से आम करदाता को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। टैक्स मामलों के विशेषज्ञों ने स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट कर दी है। इस नए कॉलम के जुड़ने से आपकी टैक्स देनदारी पर एक रुपये का भी अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने वाला है। वेद जैन एंड एसोसिएट्स के पार्टनर अंकित जैन के अनुसार, अब तक करदाताओं के लिए सिर्फ 'एक्जेम्ट इनकम' यानी टैक्स-फ्री कमाई का ब्योरा देना अनिवार्य होता था, जो नियम आगे भी जस का तस लागू रहेगा। हालांकि, इस नए विकल्प के जरिए आयकर विभाग केवल उन पैसों का स्पष्ट हिसाब मांग रहा है, जो देखने में आपकी आय जैसे लग सकते हैं, लेकिन कानूनी रूप से वे आपकी आय का हिस्सा नहीं होते।

नए कॉलम में सभी प्राप्तियों की घोषणा करनी है

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि इस नए सेक्शन में आखिर किन पैसों का जिक्र करना होगा। टैक्स एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस कॉलम में आपको उन सभी प्राप्तियों की घोषणा करनी है जो आय की परिभाषा में फिट नहीं बैठती हैं। इनमें मुख्य रूप से किसी बैंक, वित्तीय संस्थान या व्यक्ति से लिया गया कर्ज, वसीयत या विरासत में मिली कोई भी संपत्ति या नकद रकम शामिल है। इसके अलावा, अगर आपने अपनी कोई निजी संपत्ति बेची है या किसी ग्रामीण इलाके में मौजूद कृषि भूमि की बिक्री से आपको कोई बड़ी रकम मिली है, तो उसकी जानकारी भी आपको इसी जगह देनी होगी।

पश्चिम एशिया तनाव कम होने के बाद सरकार ने उठाया कदम

एलएनजी आपूर्ति सामान्य होने पर सरकार ने गैस पर लगाए आपात 'प्रतिबंध' वापस लिए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की आपूर्ति सामान्य होने के बाद केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर लगाए गए अधिकांश आपातकालीन प्रतिबंध वापस ले लिए हैं।

- अब तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति हुई सामान्य

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 में संशोधन करते हुए उन प्रमुख प्रावधानों को हटा दिया, जिनके तहत घरेलू और आयातित गैस की आपूर्ति सरकार द्वारा तय प्राथमिकता सूची के अनुसार की जा रही थी। सरकार ने यह आपात व्यवस्था नौ मार्च को पश्चिम एशिया में संघर्ष के आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत लागू की थी। उस समय अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और उसके जवाब में ईरानी कार्रवाई के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। कई आपूर्तिकर्ताओं ने अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) को लागू कर दिया था, जिससे भारत सहित कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई थी।

समुद्री यातायात फिर से शुरू हो चुका

मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि अब क्षेत्र में युद्धविराम लागू है, बातचीत जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात फिर से शुरू हो चुका है। ऐसे में गैस आपूर्ति पर लगाए गए आपात प्रतिबंधों को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तीन बड़े कदम उठाए थे।

एलएनजी उत्पादन बढ़ाना का दिया था निर्देश

इनमें प्राकृतिक गैस आपूर्ति का नियंत्रण, रिफाइनरियों को पेट्रोरसायन के फीडस्टॉक की जगह एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश और थोक उपभोक्ताओं को डीजल की बिक्री सीमित करना शामिल था। एलपीजी उत्पादन और डीजल बिक्री से जुड़े दोनों प्रतिबंध पहले ही वापस लिए जा चुके हैं, जबकि अब गैस आपूर्ति से जुड़े प्रावधान भी समाप्त कर दिए गए हैं।

जरूरत का 88 प्रतिशत आयात के जरिए पूरा होता है

भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की करीब आधी आवश्यकता आयात के जरिये पूरी करता है। देश के कुल कच्चे तेल आयात का 40-45 प्रतिशत और एलएनजी आयात का करीब 65 प्रतिशत पश्चिम एशिया से आता है। यही वजह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह का व्यवधान भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती माना जाता है।

आवंटन का अधिकार सरकार के पास था

मार्च में लागू आपात आदेश के तहत घरेलू गैस, आयातित एलएनजी और री-गैसीफाइड एलएनजी के आवंटन का अधिकार सरकार के पास था। उस समय घरों को आपूर्ति की जाने वाली पाइप वाली गैस (पीएनजी), परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी, एलपीजी उत्पादन और पाइपलाइन संचालन को उनकी औसत खपत के आधार पर पूरी आपूर्ति सुनिश्चित की गई थी।

उर्वरक संयंत्रों को 70 फीसदी गैस देने का प्रावधान किया था

उर्वरक संयंत्रों को उनकी औसत जरूरत का 70 प्रतिशत और औद्योगिक उपभोक्ताओं को 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया था। इन प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए पेट्रोरसायन संयंत्रों और गैस आधारित बिजलीघरों की गैस आपूर्ति में कटौती की गई थी। वहीं, तेल रिफाइनरियों को भी अपनी औसत गैस खपत लगभग 65 प्रतिशत तक सीमित रखने के निर्देश दिए गए थे।

एसबीआई करेगा 1,500 प्रोबेशनरी अधिकारियों की इस वर्ष नियुक्ति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने कारोबार के विस्तार को गति देने के लिए इस वर्ष 1,500 'प्रोबेशनरी' यानी प्रशिक्षु अधिकारियों की भर्ती करने की योजना बनाई है।

- अधिसूचना के अनुसार 1446 नियमित और 54 पद लंबित श्रेणी के लिए

एसबीआई द्वारा जारी भर्ती अधिसूचना के अनुसार, कुल 1,500 पदों में 1,446 नियमित रिक्तियां हैं, जबकि 54 पद लंबित श्रेणी की रिक्तियों के हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि आठ जुलाई है और बैंक को उम्मीद है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। पात्रता मानदंड के अनुसार, आवेदक किसी भी विषय में स्नातक होना चाहिए तथा एक अप्रैल, 2026 तक उसकी न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। बैंक ने कहा कि वह बदलती और बहुआयामी बैंकिंग जरूरतों के अनुरूप सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पेशेवरों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों सहित विविध पृष्ठभूमि के पेशेवरों की सीधी (लैटरल) भर्ती भी करता है। इन विशेषज्ञ अधिकारियों की नियुक्ति डेटा सेंटर, सूचना प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन, विधिक, कोषागार (ट्रेजरी), अनुपालन और डेटा विश्लेषण जैसे प्रमुख कार्यक्षेत्रों में की जाती है।

4,640 अधिकारियों की नियुक्ति की

बैंक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में एसबीआई ने 4,640 अधिकारियों, 19,340 सहायक कर्मचारियों (एसोसिएट्स) और 1,653 कर्मचारियों की अनुबंध पर नियुक्ति की।

नौकरी छोड़ने की वार्षिक दर एक फीसदी से कम

वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एसबीआई में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की वार्षिक दर लगातार एक प्रतिशत से कम रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में यह दर लगभग 0.97 प्रतिशत रही, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम दरों में से एक है। यह कर्मचारियों की मजबूत प्रतिबद्धता, संस्थान की स्थिरता और कर्मचारी-केंद्रित नीतियों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है।

सार्वजनिक बैंकों में जमा की रफ्तार रही धीमी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत शुरुआत की। कर्ज में दहाई अंक में वृद्धि हुई जबकि जमा जुटाने की गति ऋण में हुई बढ़ोतरी के मुकाबले धीमी रही। कम लागत वाले चालू खाता बचत खाता (कासा) जमा पर दबाव के बावजूद, खुदरा कर्ज वृद्धि का मुख्य इंजन बने रहे।

- पहली तिमाही में कर्ज में अच्छी वृद्धि दर्ज

एकत्रित आंकड़ों के अनुसार 12 सरकारी बैंकों में से नौ बैंकों के 30 जून को समाप्त तिमाही के शुरुआती कारोबारी आंकड़ों से पता चलता है कि कर्ज में सालाना आधार पर लगभग 12 प्रतिशत से 29 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई, जबकि जमा में 3.5 प्रतिशत से 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पता चलता है कि जमा जुटाने की गति धीमी होने के बावजूद कर्ज की मांग बनी हुई है। बड़े बैंकों में, बैंक ऑफ बड़ौदा ने जमा में 13.8 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले वैश्विक ऋण में सालाना आधार पर 17.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज में 18.64 प्रतिशत और जमा में 14.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा दिये गये कर्ज में सालाना आधार पर 12.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि जमा में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। केनरा बैंक ने कर्ज में 18 प्रतिशत और जमा में 11.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इंडियन बैंक ने कर्ज में 13.9 प्रतिशत और जमा में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

यूको बैंक के ऋण में 21.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी

यूको बैंक ने ऋण में 21.3 प्रतिशत और जमा में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। पंजाब एंड सिंध बैंक ने कर्ज में 19.5 प्रतिशत और जमा में 12.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने जमा में सालाना आधार पर केवल 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जबकि कर्ज में 12.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। खुदरा, कृषि और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) क्षेत्र को दिये गये ऋण से कर्ज विस्तार की गति बनी रही।

खास तरह के उर्वरक को बढ़ावा देने सही नीति जरूरी : एफएआई

एजेंसी ▶▶| गांधीनगर

उद्योग निकाय 'फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया' (एफएआई) ने कहा कि है भारत में जैव-उत्प्रेरक (बायोस्टिमुलेंट्स) जैसे खास तरह के उर्वरक की बिक्री बढ़ रही है और ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सही नीति की जरूरत है। एसोसिएशन ने कहा कि मौजूदा प्रणाली मुख्य रूप से थोक उर्वरक के लिए बनाई गई है और हो सकता है कि यह नए उत्पादों को ठीक से समर्थन न कर पाए। इसलिए, वितरण प्रणाली पर फिर से विचार करने की जरूरत है। एफएआई के प्रमुख (सांख्यिकी और आईटी) कुलदीप सती ने 2-4 जुलाई तक यहां आयोजित 'स्पेशलिटी उर्वरक समिट एंड बी टू बी एक्सपो 2026' (एसओएमएस 2026) में कहा, 'खास तरह के उर्वरक की बिक्री बढ़ रही है और किसान जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल होने वाले ऐसे उर्वरक की अहमियत समझते हैं।'

सोने की कीमत मजबूत बने रहने की संभावना : विश्लेषक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोने की कीमत अगले सप्ताह मजबूत बने रहने की संभावना है। निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में वृद्धि के बारे में और संकेत पाने के लिए अमेरिका और अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेंगे।

- निवेशकों की नजर अमेरिकी के आर्थिक आंकड़ों पर होगी

कारोबारी अमेरिकी सेवा पीएमआई, व्यापार आंकड़े और साप्ताहिक बेरोजगारी दावों के साथ-साथ यूरो क्षेत्र, चीन, जापान और जर्मनी के महंगाई के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे। वैश्विक घटनाक्रम या कच्चे तेल की कीमतों में किसी भी बदलाव से कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस और मुद्रा शोध) प्रणव मेर ने कहा, 'घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने की कीमतों को समर्थन मिलने की संभावना है।' मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त डिलीवरी के लिए सोने के वायदा भाव में लगातार चार सप्ताह की गिरावट के बाद तेजी आई। सप्ताह के दौरान यह 3,216 रुपये यानी 2.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एमसीएक्स में सितंबर अनुबंध लिए चांदी का वायदा मूल्य 13,938 रुपये यानी 6.2 प्रतिशत बढ़कर 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (शोध विश्लेषक-जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''कमजोर अमेरिकी डॉलर और अधिक बिकवाली स्तरों के बाद लिवाली के कारण इस सप्ताह सोने में सुधार आया। इससे लगभग एक महीने के लगातार कमजोर रुख के बाद सर्राफा की कीमतों को उबरने में मदद मिली।

सोना शुरूआती गिरावट से उबर गया

मेर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे बने रहने की कई नाकाम कोशिशों के बाद सोना शुरुआती गिरावट से उबर गया। सप्ताह के अंत में सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। रूस और यूक्रेन के बीच नए तनाव ने भी सर्राफा की मांग को समर्थन दिया। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, केंद्रीय बैंकों ने मई में अपने रिजर्व में कुल 41 टन सोना जोड़ा।

मध्यम वर्ग भारत की वृद्धि के इंजन : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत का मध्यम वर्ग देश की आर्थिक वृद्धि का मुख्य इंजन है और लगभग 500 शहर देश के नए आर्थिक गतिविधि केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। फ्रांस के प्रमुख आर्थिक मंच 'रॉन्कोंट्रेस इकॉनमिक द ऐक्स-एन-प्रोवेन्स' में 'नए मध्यम वर्ग के उदय को कैसे बढ़ावा दिया जाए' विषय पर आयोजित चर्चा में सीतारमण ने कहा कि वर्तमान में भारत की लगभग 31 प्रतिशत आबादी मध्यम वर्ग में शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत में आर्थिक उदारीकरण के बाद से मध्यम वर्ग सालाना आधार पर लगभग 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

कच्चे तेल की कीमतें तय करेंगी बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस सप्ताह शेयर बाजार का रुख कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक रुझानों और कंपनियों के तिमाही नतीजों की शुरुआत से तय होगा। विश्लेषकों ने यह कहा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस नौ जुलाई को अपने जून तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करेगी।

- वैश्विक संकेत और टीसीएस के तिमाही नतीजे भी डालेंगे प्रभाव

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, निवेशक नौ जुलाई को आने वाले टीसीएस के तिमाही नतीजों पर करीबी नजर रखेंगे। इसमें मांग के रुझान, विवेकाधीन खर्च और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित व्यावसायिक अवसरों को लेकर प्रबंधन की टिप्पणियों पर विशेष ध्यान रहेगा।

मानसून की प्रगति पर भी होगी निगाह

गौर ने यह भी कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों की बुवाई ग्रामीण मांग, मुद्रास्फीति की उम्मीदों और वृहद आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण संकेतक बनी रहेगी। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी बातचीत का अगला दौर 11 जुलाई को होने की उम्मीद है, हालांकि इसके स्थान के बारे में अभी अंतिम फैसला होना बाकी है।

कच्चे तेल की कीमतें 68-69 डॉलर पर स्थिर हुई

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, /''हॉर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति में बाधा की आशंकाएं कम होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें 68-69 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर हुई हैं। ऊर्जा कीमतों में लगातार स्थिरता भारत में मुद्रास्फीति के परिदृश्य और बाह्य क्षेत्र के संतुलन के लिए सकारात्मक होगी।

नियमों में अहम बदलाव के साथ इसे दोबारा हरी झंडी दी गई

सेबी ने दी 'ओपन मार्केट बायबैक' को मंजूरी, 1 अगस्त से होगा लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक बड़ा फैसला लिया है। एक अगस्त से शेयर बाजार में 'ओपन मार्केट शेयर बायबैक' का रास्ता फिर से खुलने जा रहा है। यानी, अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो अब आपको अपनी हिस्सेदारी बेचने का एक और पारदर्शी विकल्प मिलने वाला है। पहले सेबी ने इस प्रक्रिया पर पूरी तरह रोक लगाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन अब नियमों में अहम बदलाव के साथ इसे दोबारा हरी झंडी दे दी गई है। कुछ समय पहले तक, सेबी ओपन मार्केट बायबैक को धीरे-धीरे पूरी तरह से बंद करने के पक्ष में था। रेगुलेटर का मानना था कि पुराने टैक्स नियमों के कारण निवेशकों के बीच एक तरह की असमानता पैदा हो रही थी। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। टैक्स व्यवस्था में सुधार लागू होने के बाद, सेबी ने अपना पुराना रुख बदल लिया है। अब इसे मौजूदा 'टेंडर ऑफर' के साथ एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में पेश किया गया है। इस फैसले के पीछे का मुख्य उद्देश्य कंपनियों का खर्च घटाना, बायबैक की प्रक्रिया को तेज करना और शेयर बाजार में भारी गिरावट के वक्त शेयरों की कीमतों को गिरने से बचाना है।

- सेबी मार्केट बाय बैक को धीरे-धीरे पूरी तरह बंद करने के पक्ष में था

क्या होता है शेयर बायबैक?

दरअसल, जब कोई शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी अपने ही मौजूदा निवेशकों से अपने शेयर वापस खरीद लेती है, तो इस पूरी प्रक्रिया को 'शेयर बायबैक' कहा जाता है। कंपनियां बाजार से अपने शेयर वापस लेने के बाद आमतौर पर उन्हें रद्द कर देती हैं। शेयर कैंसल होने से बाजार में उस कंपनी के कुल शेयरों की संख्या घट जाती है। इससे कंपनी की वित्तीय सेहत मजबूत दिखती है और लंबी अवधि में निवेशकों को फायदा मिलता है।

टेंडर ऑफर से अलग है ओपन मार्केट बायबैक

मौजूदा समय में ज्यादातर कंपनियां टेंडर ऑफर का इस्तेमाल करती हैं, जहां वे एक तय कीमत पर निवेशकों से शेयर खरीदती हैं। लेकिन ओपन मार्केट बायबैक का तरीका बिल्कुल अलग है। यह शेयर बाजार में होने वाली आम ट्रेडिंग की तरह ही काम करता है। सबसे पहले कंपनी शेयर बाजार में बायबैक लाने की आधिकारिक घोषणा करती है। इस ऐलान में स्पष्ट रूप से बताया जाता है कि कंपनी अधिकतम कितने शेयर वापस लेगी। कंपनी यह भी स्पष्ट करती है कि इसके लिए कुल कितना फंड आवंटित किया गया है और यह खरीदारी कितने समय तक चलेगी।

70वें मिनट में एमबाप्पे का 'मास्टरस्ट्रोक'

फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से हराया क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का

एमबाप्पे का 19वां वर्ल्ड कप गोल पराग्वे का सफर खत्म

एजेंसी ▶▶| फिलाडेल्फिया

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबाप्पे ने अपने पांव का जादू दिखाते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से पराजित करके विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पराग्वे के खिलाड़ियों ने एमबाप्पे को खुलकर खेलने से रोके रखा और इस बीच उन्हें भड़काने की भी कोशिश की। यह दिग्गज खिलाड़ी हालांकि शांत बना रहा और इस बीच मुस्कुरा कर खेल का पूरा आनंद भी लेता रहा। यही वजह थी कि जब फ्रांस को 70वें मिनट में पेनल्टी मिली तो उन्होंने बड़ी सहजता से पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को छकाकर उस पर गोल कर दिया। एमबाप्पे के विश्व कप करियर का यह 19वां गोल था, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में फ्रांस

भीषण गर्मी में खेले गए इस मैच में एमबाप्पे के इस गोल ने फ्रांस को लगातार चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। एमबाप्पे ने बाद में कहा, 'हम जानते थे कि इस मैच में क्या होने वाला है। हम भी आक्रामक हो सकते थे लेकिन हम जानते हैं कि कैसे खेलना है। हमें पता है कि आक्रामक फुटबॉल कैसे खेलते हैं। शायद वे सोच रहे थे कि हम सूट-बूट में आएंगे, लेकिन हम तैयार थे।' फ्रांस क्वार्टर फाइनल में गुरुवार को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में मोरक्को का सामना करेगा।

मेस्सी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे एमबाप्पे

एमबाप्पे सभी विश्व कप में कुल मिलाकर सर्वाधिक गोल करने के मामले में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के करियर रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। इस टूर्नामेंट में एमबाप्पे और मेस्सी दोनों के सात-सात गोल हैं और वे 'गोल्डन बूट' की दौड़ में शीर्ष पर हैं। एमबाप्पे ने पिछले विश्व कप में यह पुरस्कार जीता था लेकिन तब उनकी टीम फाइनल में अर्जेंटीना से हार गई थी।

तीन विश्व कप के नॉकआउट राउंड में एमबाप्पे ने किए तीन गोल

एमबाप्पे इसके साथ ही पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीन विश्व कप के नॉकआउट राउंड में कम से कम तीन गोल किए हैं। फ्रांस की जीत का अंतर अधिक हो सकता था लेकिन गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरे हाफ में एमबाप्पे के एक बेहतरीन प्रयास को नाकाम किया और ओस्मान डेम्बेले को भी गोल करने से रोका।

मोरक्को ने कनाडा के जादुई अभियान को रोका, अंतिम 8 में शानदार प्रवेश

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अजेदीन ओउनाही के दो गोल की मदद से मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराया और इस तरह से वह विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में एक से अधिक बार पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। पहला हाफ गोलरहित छूटने के बाद मोरक्को ने अपना असली रंग दिखाया और दनादन तीन गोल करके सह मेजबान कनाडा का जादुई अभियान आगे नहीं बढ़ने दिया। ओउनाही ने 50वें और 82वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से तीसरा गोल सोफियान रहीमी ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में किया।

कनाडा नहीं उठा पाया अवसरों का फायदा

कनाडा ने भी अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह अवसरों का फायदा नहीं उठा पाया। इसके बावजूद कनाडा के लिए यह विश्व कप यादगार बन गया, क्योंकि वहां फुटबॉल लोकप्रिय नहीं है और वहां के लोगों पर आइस हॉकी का जादू सर चढ़कर बोलता है। यही कारण है कि उसके कोच जेसी मार्श टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। मार्श ने कहा, 'यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि कनाडा की टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे मुकाम पर है,जिसकी 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लोगों में गजब का उत्साह है और इसलिए अब हर कोई कहेगा कि अगले विश्व कप में राउंड ऑफ 16 से नीचे आना असफलता है।'

'गोल्डन बूट' की दौड़ बनी रोचक

फिलाडेल्फिया। फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे ने पराग्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में पेनल्टी किक पर गोल दागकर अपने विश्व कप करियर का 19वां और मौजूदा टूर्नामेंट का सातवां गोल करके अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ 'गोल्डन बूट' की दौड़ रोचक बना दी। इन दोनों खिलाड़ियों ने वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक सात-सात गोल किए हैं और वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाले 'गोल्डन बूट' की दौड़ में सबसे आगे हैं। नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड और इंग्लैंड के हैरी केन पांच-पांच गोल के साथ 'गोल्डन बूट' की दौड़ में अगले स्थान पर हैं। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेस्सी ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर सर्वाधिक 20 गोल किए हैं और इस तरह से एमबाप्पे इस रिकॉर्ड के मामले में उनसे केवल एक गोल पीछे हैं। यही नहीं एमबाप्पे का विश्व कप के नॉकआउट राउंड में यह 11वां गोल था और इस तरह से उन्होंने अपने रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया। वह तीन विश्व कप में से प्रत्येक के नॉकआउट राउंड में कम से कम तीन गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

खबर संक्षेप

खिताबी दौड़ में बरकरार दीक्षा और अदिति अशोक

हुलेनकोर्ट। गोल्फर दीक्षा डागर और अदिति अशोक ने हुलेनकोर्ट महिला ओपन के तीसरे दौर के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंचकर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी बनाए रखी है। दीक्षा ने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) के इस टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों को कायम रखते हुए एक अंडर 71 और अदिति ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। दोनों ओलंपियन का कुल स्कोर पांच अंडर 211 है और वे तालिका में शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की केल्सी बेनेट से पांच स्ट्रोक पीछे हैं। बेनेट ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला और कुल 10 अंडर के स्कोर के साथ बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने स्पेन की कैरोलिना चकार्रा पर दो स्ट्रोक की बढ़त बना ली है। दीक्षा ने दूसरे और नौवें होल पर बर्डी लगाई, जबकि दिन का एकमात्र बोगी 10वें होल पर किया।

विंबलडन : जोकोविच की 106वीं जीत, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी ▶▶| लंदन

सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वालीफायर और विश्व रैंकिंग में 132वें स्थान पर काबिज रोमन सफियुलिन की कड़ी चुनौती को पार करते हुए विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में रोजर फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मैच के दौरान जोकोविच कई बार अपनी नाराजगी जाहिर करते नजर आए। पहले सेट में 2-5 से पिछड़ने के बाद उन्हें दो सेट प्वाइंट बचाने पड़े। तीसरे सेट की शुरुआत में सर्विस गंवाने के बाद सेंटर कोर्ट पर सर्बियाई भाषा में कथित तौर पर अपशब्द बोलने के कारण उन्हें अंपायर ने चेतावनी भी दी। इसके बावजूद जोकोविच ने मुकाबला 7-6 (8-6), 6-3, 3-6, 6-3 से जीत लिया। यह विम्बलडन में उनकी 106वीं मैच जीत थी, जिसके साथ उन्होंने पुरुष वर्ग में रोजर फेडरर (105 जीत) को पीछे छोड़ दिया। जोकोविच 17वीं बार विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में मुचोवा

चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने चौथे दौर के रोमांचक मुकाबले में हमवतन बारबोरा क्रेजिसिकोवा को 7-5, 5-7, 6-3 से मात देकर अपने करियर में तीसरी बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने 2 घंटे और 45 मिनट तक चले मुकाबले में कामयाबी हासिल की। बैड होमबर्ग ओपन में खिताब जीतने के बाद यह उनकी लगातार आठवीं जीत थी और अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका या नाओमी ओसाका में से किसी एक से होगा। मैच का पहला सेट कड़ा मुकाबला वाला रहा। दोनों खिलाड़ियों ने कई ब्रेक प्वाइंट्स बचाए, लेकिन आखिरकार मुचोवा ने 12वें गेम में बाजी मार ली।

पेगुला ने जोविक को हराया अगले दौर में मिली एंट्री

चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला (अमेरिका) ने हमवतन इवा जोविक के खिलाफ 4-6, 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की। रविवार को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज करने वालीं पेगुला ने करियर में दूसरी बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। दोनों ही खिलाड़ियों के लिए पहला सेट उतार-चढ़ाव भरा रहा। पेगुला ने सिर्फ पांच विनर्स लगाए लेकिन 16 अनफोर्स्ड एरर किए। पेगुला अपनी 17 फर्स्ट-सर्विस प्वाइंट्स में से केवल छह ही जीत सकीं। हालांकि, पेगुला ने जोविक की सर्विस तीन बार तोड़ी, लेकिन जोविक ने हर बार तुरंत जवाब दिया। हालांकि, दूसरे सेट में पेगुला ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। निर्णायक सेट में भी यह लय बनी रही। मैच का एक अहम पल तब आया जब तीसरे सेट की शुरुआत में पेगुला ने जोविक की सर्विस पर 0-40 से पिछड़ने के बाद वापसी की। उन्होंने लगातार पांच प्वाइंट्स जीतकर शुरुआती ब्रेक हासिल किया और बढ़त बना ली।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| लंदन

■ महिला टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज बेथ मूनी (64 रन) के अर्धशतक और फोबे लिचफील्ड (48 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी से रविवार को महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को 17 गेंद रहते 7 विकेट से शिकस्त देकर सातवां खिताब अपने नाम किया। मूनी ने 49 गेंद का सामना करते हुए 10 चौके जमाए जबकि लिचफील्ड ने 13वें ओवर की अंतिम गेंद पर आउट होने से पहले 35 गेंद की तेज तर्रार पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जड़े। इससे ऑस्ट्रेलिया ने 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.1 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाकर आसान जीत हासिल की।

मूनी और लिचफील्ड ने जॉर्जिया वोल (09) के दूसरे ओवर में लॉरेन बेल की गेंद पर बोल्ड होने के बाद जिम्मेदारी से खेलते हुए इंग्लैंड की गेंदबाजों के खिलाफ आराम से रन जुटाते हुए 67 गेंद में शतकीय भागीदारी निभाई। पर 13वें ओवर में चार्ली डीन की अंतिम गेंद पर लिचफील्ड के लेग स्टंप उखड़ गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 117 रन पर दूसरा विकेट गंवाया।

भारत ए की श्रीलंका ए पर शानदार जीत, बराड़ ने चटकाए 10 विकेट

गॉल। तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने दूसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट में कुल 10 विकेट लेकर भारत ए को श्रीलंका ए पर शानदार 10 विकेट की जीत दिलाकर अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ संभावित टेस्ट पदार्पण के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। साई सुदर्शन के 168 रन की बदौलत भारत ए ने पहली पारी में 543 रन का विशाल स्कोर बनाया और श्रीलंका ए पर 177 रनों की बढ़त हासिल की। भारत ए ने दिन की शुरुआत 8 विकेट पर 541 रन से की थी। मैच के चौथे और अंतिम दिन खेल तेजी से आगे बढ़ा।

हरिभूमि आवश्यकता है inh
रायपुर, छत्तीसगढ़ स्थित सैटेलाइट न्यूज चैनल inh के लिए
विडियो एडिटर्स
FCP या Adobe Premier की जानकारी अनिवार्य
अनुभवी को प्राथमिकता
संपर्क करें
inhnewshr@gmail.com
9522283349

ग्रैंड चेस टूर : ब्लिट्स वर्ग में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

रैपिड वर्ग वाला शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶| जागरेब

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती 9 दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए।

इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है। अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारुप में कमाल का खेल दिखाया और 9 में से 8 अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है।

प्रज्ञानानंदा चौथे स्थान पर खिसके

प्रज्ञानानंदा 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

प्रज्ञानानंदा ने ब्लिट्ज वर्ग में खोई लय

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानानंदा ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानानंदा ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानानंदा से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है।

दुनिया भर में प्रसिद्ध कुछ ऐसे ब्रांडेड एक्सेसरीज, जिनके पीछे छिपी हैं अनोखी कहानियां

फैशन की दुनिया में कुछ एक्सेसरीज ऐसी होती हैं, जिन्हें पाना हर किसी का सपना होता है। ये न केवल अपनी डिजाइन और गुणवत्ता के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनके पीछे की कहानियां भी बहुत दिलचस्प होती हैं। इन एक्सेसरीज की खासियत इन्हें अन्य सामानों से अलग बनाती है और इन्हें एक खास पहचान देती है। आइए आज हम आपको 5 ऐसी मशहूर एक्सेसरीज के बारे में बताते हैं, जिनके पीछे की कहानियां जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

गुच्ची बैग

गुच्ची एक ऐसा नाम है, जो अपने शानदार उत्पादों के लिए मशहूर है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि गुच्ची बैग की शुरुआत एक छोटे से कारखाने से हुई थी? यह कारखाना इटली के फ्लोरेंस शहर में स्थित था और यहां पहले चमड़े के उत्पाद बनाए जाते थे। धीरे-धीरे गुच्ची बैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनियाभर में पहचान बनाई। आज गुच्ची बैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं।

रोलेक्स की घड़ी

रोलेक्स की घड़ियां दुनिया भर में समय बताने के साथ-साथ स्टाइल का प्रतीक भी बन गई हैं। इनकी खासियत सिर्फ समय बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके पीछे एक लंबी कहानी है। रोलेक्स की शुरुआत 1905 में लंदन से हुई थी, जब हंस विल्सडॉर्फ नामक एक युवा उद्यमी ने इस ब्रांड की शुरुआत की थी। उन्होंने सबसे पहले पेरिस में अपनी घड़ियों को बेचना शुरू किया और फिर धीरे-धीरे रोलेक्स ने अपनी पहचान बनाई।

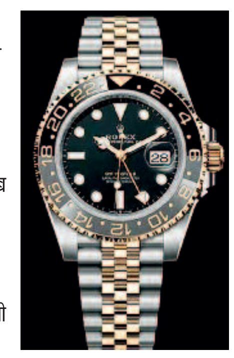

चैनल हैंडबैग

चैनल हैंडबैग फैशन की दुनिया में एक अहम स्थान रखता है। इस ब्रांड की शुरुआत कोको चैनल ने 1910 में फ्रांस में की थी। उनके द्वारा बनाए गए पहले हैंडबैग बहुत सरल दिखते थे, लेकिन उनकी गुणवत्ता बेहतरीन थी। धीरे-धीरे इन हैंडबैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनिया भर में पहचान बनाई। आज चैनल हैंडबैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। ये न केवल फैशन, बल्कि इतिहास का भी हिस्सा हैं।

डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे

डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे अपने अनोखे डिजाइन और गुणवत्ता के लिए मशहूर हैं। इनकी शुरुआत 1980 में इटली में हुई थी, जब डोमेनिको डोल्से और स्टेफानो गब्बाना ने यह ब्रांड खोला था। डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे ने जल्द ही अपनी पहचान बनाई और आज ये एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। इन एक्सेसरीज की कहानियां हमें सिखाती हैं कि सफलता केवल गुणवत्ता और डिजाइन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मेहनत और समर्पण भी जरूरी है।

रोचक खबरें

सबसे खतरनाक बकरी, एक ही टक्कर में ले जाएंगे यमराज

नई दिल्ली। आप सोच रहे होंगे कि बकरी क्या खतरनाक हो सकती है? लेकिन, मध्य एशिया की पहाड़ियों में एक ऐसी बकरी रहती है जिससे बड़े-बड़े शिकारी भी कांपते हैं। इसका नाम है मारखोर। इसे स्नेक ईटर या पहाड़ों का राजा भी कहा जाता है। इसके घुमावदार सींग और चट्टानों पर दौड़ने की क्षमता इसे दुनिया की सबसे अनोखी और खतरनाक बकरियों में शुमार करती है। मारखोर मुख्य रूप से पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, भारत और उज्बेकिस्तान की ऊंची पहाड़ियों में पाया जाता है। यह 600 से 3600 मीटर की ऊंचाई तक रह सकता है। जिन खड़ी पहाड़ियों पर दूसरे जानवर फिसलकर गिर जाते हैं, वहां मारखोर आराम से भागता-दौड़ता है। इसके खुर खास तरह के होते हैं जो चट्टानों पर मजबूत पकड़ बनाते हैं। यह खड़ी दीवारों, संकरी लेज पर दौड़ सकता है और यहां तक कि पेड़ों पर भी चढ़ जाता है। मारखोर के नर के सींग 160 सेंटीमीटर (लगभग 5 फीट) तक लंबे हो सकते हैं। ये घुमावदार, कॉर्कस्क्रू की तरह होते हैं। ये सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि हथियार भी हैं। मादा-मादा या क्षेत्र के लिए लड़ाई में ये सींग घातक साबित होते हैं। एक जोरदार टक्कर में दूसरे जानवर के सिर या शरीर पर गहरी चोट लग सकती है।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर उड़ जाएंगे होश

रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। 2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है। हालांकि, गिनीज बुक ने सुरक्षा के लिहाज से उसे बेहोश करके नहीं मापा है। इस अनोखे सांप का नाम इबू बैरन रखा गया है, जिसका मतलब 'उच्च सामाजिक स्थिति वाली महिला' होता है।

भारत की सिल्क साड़ियां दुनियाभर में मशहूर

भारत में साड़ी सिर्फ एक परिधान नहीं, बल्कि परंपरा, संस्कृति और शान की पहचान है। शादी-ब्याह हो, त्योहार हो या कोई छोटी-मोटी पूजा-पाठ, महिलाओं की पहली पसंद अकसर साड़ी ही होती है। खास कर सिल्क की साड़ियां। कांजीवरम और बनारसी साड़ियों के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों की कई ऐसी सिल्क साड़ियां भी हैं, जिन्होंने अपनी खूबसूरती और बारीक कारीगरी से दुनियाभर में पहचान बनाई है। हर महिला की अलमारी में इन 10 मशहूर सिल्क साड़ी तो जरूर होनी चाहिए।

कांजीवरम सिल्क साड़ी (तमिलनाडु) : तमिलनाडु के कांचीपुरम शहर में बनने वाली कांजीवरम साड़ी को 'साड़ियों की रानी' कहा जाता है। मलबरी सिल्क के धागों से तैयार की जाने वाली इस साड़ी में बॉर्डर और पल्लू अलग बुने जाते हैं और बाद में उसे साड़ी में जोड़े जाते हैं।

बनारसी सिल्क साड़ी (उत्तर प्रदेश)

भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सिल्क साड़ियों में बनारसी साड़ी का नाम सबसे ऊपर आता है। वाराणसी में बनने वाली इस साड़ी को जीआई टैग प्राप्त है। बनारसी साड़ी की बुनाई में शुद्ध रेशम के धागों के साथ सोने-चांदी वाली जरी का इस्तेमाल किया जाता है। एक बनारसी साड़ी को तैयार करने में 15 दिन से लेकर 6 महीने तक लग सकते हैं। लोगों का कहना होता है कि बाकी सिल्क की साड़ियों के मुकाबले बनारसी सिल्क सबसे शुद्ध होता है।

कीमत 40 हजार से 17 लाख तक

मूंगा सिल्क (असम)

असम की मूंगा सिल्क दुनिया की सबसे दुर्लभ प्राकृतिक सिल्क में गिनी जाती है. ।मूंगा रेशम विशेष कीड़ों से प्राप्त होता है जो केवल असम के मौसम में पनपते हैं। ये सिल्क इसलिए भी खास है क्योंकि इसकी प्राकृतिक सुनहरी चमक कभी फीकी नहीं पड़ती और ये हमेशा वैसा ही नए जैसा दिखता है। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1500 डॉलर से 6000 डॉलर (1.2 लाख से 5 लाख रुपए) तक हो सकती है।

बालूचरी सिल्क (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल की बालूचरी साड़ियों पर पौराणिक कथाओं और परंपराओं को धागों से उकेरा जाता है। साड़ी के पल्लू और बॉर्डर पर रामायण, महाभारत और लोककथाओं के दृश्य बुने जाते हैं। बालूचरी सिल्क को जीआई दर्जा मिला हुआ है। इसकी कीमत 25 हजार से 2 लाख रुपए और उससे ज्यादा तक हो सकती है।

पटोला सिल्क (गुजरात) : पटोला भारत की सबसे मुश्किल डबल इकट बुनाई वाली साड़ियों में शामिल है। इसके धागों को पहले रंगा जाता है, फिर डिजाइन के अनुसार बुना जाता है। एक साड़ी बनाने में कई महीने लग सकते हैं। पटोला को भी जीआई टैग प्राप्त है। अंतरराष्ट्रीय कीमत 2000 डॉलर से 15,000 डॉलर (1.5 लाख से 12 लाख रुपए) तक या उससे ज्यादा भी हो सकती है।

बोमकई सिल्क (ओडिशा)

ओडिशा की बोमकई साड़ी पारंपरिक जनजातीय कला और रेशम का शानदार मेल है। बोमकई सिल्क पर हाथों से बेहद बारीक बुनाई की जाती है। इसमें मछली, पक्षी और लोककला आधारित डिजाइन प्रमुख होते हैं। बोमकई साड़ी को जीआई टैग दिया गया है। इसकी कीमत 20 हजार से 1.5 लाख रुपए हो सकती है।

लोटस सिल्क साड़ी (मणिपुर)

दुनिया की सबसे दुर्लभ और महंगी सिल्क साड़ियों में लोटस सिल्क का नाम शुमार है। इसको बनाने के लिए रेशम के कीड़ों की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि अनोखे तरीके से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए कमल के तनों के अंदर मौजूद महीन रेशों को सावधानी से निकाल कर तैयार किया जाता है। एक साड़ी बनाने के लिए लगभग हजारों कमलों के डंठलों से फाइबर निकाला जाता है फिर उन्हें प्रोसेस कर हाथों से बनाया जाता है।

भारत की इस जगह आज भी राम राज्य

कोहिमा। आज कलियुग चल रहा है। राम राज्य में लोग काफी ईमानदार होते थे। उस समय चोरी, धोखेबाजी जैसी चीजें नहीं थी। लेकिन, अब इसकी बस कल्पना ही की जा सकती है। लेकिन, भारत के नागालैंड में आपको ऐसा नजारा देखने को मिलेगा, जिसके बाद लगेगा कि यहां आज भी राम राज्य चल रहा है। यहां लोग इतने ईमानदार हैं कि दुकानों में दुकानदार के रहने की जरूरत नहीं होती। सोशल मीडिया पर नागालैंड घूमने आए कई टूरिस्ट्स इसका वीडियो बनाकर शेयर करते हैं। यहां आपको कई दुकानें मिल जाएगी, जहां सामान रखा है, लेकिन कोई दुकानदार नहीं है। लोग अपनी जरूरत की चीजों को उठाकर स्कैनर में या कैशबॉक्स में पैसे डाल देते हैं। नागालैंड की यह अनोखी ईमानदारी पूरे देश के लिए मिसाल है। खासकर छोटे गांवों और कुछ शहरों की दुकानों में यह व्यवस्था आम है। पर्यटक जब यहां घूमने जाते हैं तो इस सिस्टम को देखकर हैरान रह जाते हैं।

नागालैंड की संस्कृति और ईमानदारी

नागालैंड पूर्वोत्तर भारत का एक सुंदर राज्य है। यहां की जनजातियां अपनी परंपराओं, ईमानदारी और सामुदायिक जीवन के लिए जानी जाती हैं। लोग एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। सामुदायिक मूल्य इतने मजबूत हैं कि कोई गलत काम करने से पहले दस बार सोचता है। यहां अपराध दर भी कम है। पर्यटक बताते हैं कि ना सिर्फ दुकानें, बल्कि अन्य सेवाओं में भी यह भरोसा दिखता है। टैक्सी वाले सही किराया लेते हैं, होमस्टे मालिक अतिरिक्त चार्ज नहीं करते। यह व्यवस्था आधुनिक दुनिया में विरले ही देखने को मिलती है।

कैसे चलती है दुकान?

यहां कई दुकानें हैं जो दिनभर खुली रहती है। यहां सामान रखा रहता है। ग्राहक खुद दुकान में घुसकर सामान चुनता है। कीमत चेक करने के लिए स्कैनर या प्राइस लिस्ट का इस्तेमाल करता है। इसके बाद पैसे कैशबॉक्स में डालता है या ऑनलाइन पेमेंट करता है। अगर जरूरत हो तो चेंज खुद ले लेता है। दुकानदार आसपास के काम में व्यस्त रहता है। शाम को गिनती करके देखता है कि सब ठीक है। चोरी के मामले बेहद कम या ना के बराबर होते हैं।

मशरूम जैसी 5 आंखें, हाथी जैसी सूंड!

नई दिल्ली। सोचिए एक ऐसा जीव जिसकी 5 आंखें हों, हाथी जैसी सूंड हो, लेकिन साइज में वो आपकी एक उंगली जितना छोटा हो। सुनने में यह किसी साइंस फिक्शन मूवी का एलियन लग सकता है, लेकिन आज से करीब 50.5 करोड़ साल पहले हमारी धरती के समंदरों में सच में ऐसा एक अजीबोगरीब जीव राज करता था। इसका नाम ओपबीनिया है। कैम्ब्रियन काल का यह अनोखा जीव आज के किसी भी जानवर से मेल नहीं खाता।

ओपबीनिया के सिर पर डंठल जैसी 5 आंखें होती थीं, जो देखने में छोटे मशरूम या बल्ब जैसी लगती थीं। इनमें से दो आंखें आगे, दो पीछे और एक बिल्कुल बीच में हुआ करती थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन 5 आंखों की मदद से इसे 360 डिग्री व्यू मिलता था, जिससे यह चारों तरफ नजर रखकर अपने शिकारियों से बच जाता था।

सिर के पीछे और नीचे की तरफ मुंह

इस जीव का मुंह सीधा आगे नहीं, बल्कि सूंड के नीचे सिर के पिछले हिस्से में नीचे की तरफ होता था। यानी यह सीधे मुंह से शिकार नहीं निगलता था, बल्कि सूंड से पकड़कर खाने को पीछे की तरफ खींचकर खाता था।

सौंदर्य सामग्री

लोग पारंपरिक सामग्रियों के बजाय अनोखे विकल्पों की तलाश करते हैं

कई देशों में सुंदरता के लिए इस्तेमाल की जाती हैं अजीबो-गरीब सामग्री

जब बात सुंदरता की आती है तो कई लोग पारंपरिक सामग्रियों के बजाय अनोखे विकल्पों की तलाश करते हैं। दुनिया भर के अलग-अलग देशों में कुछ ऐसी अजीबो-गरीब सौंदर्य सामग्रियां इस्तेमाल होती हैं, जिनका नाम सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। इन सामग्रियों का इस्तेमाल न केवल त्वचा की देखभाल के लिए किया जाता है, बल्कि बालों की देखभाल और स्वास्थ्य के लिए भी किया जाता है। आइए इन अजीबो-गरीब सौंदर्य सामग्रियों के बारे में जानते हैं।

दक्षिण कोरिया: घोंघे का सीरम

दक्षिण कोरिया में घोंघे का सीरम इस्तेमाल होता है। यहां के लोग घोंघे के शरीर से निकलने वाला पदार्थ इस्तेमाल करते हैं, जो त्वचा की मरम्मत करने और इसे निखारने का काम करता है। यह सीरम त्वचा को पोषण देता है और इसे स्वस्थ रखता है। इसके अलावा यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और इसे मुलायम बनाता है। इस सीरम का उपयोग न केवल त्वचा की देखभाल के लिए, बल्कि बालों की देखभाल के लिए भी होता है।

न्यूजीलैंड: मैनुका शहद

न्यूजीलैंड में मैनुका शहद का उपयोग होता है। यह शहद मैनुका पेड़ के फूलों से बनाया जाता है और इसमें स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद तत्व होते हैं। इसका इस्तेमाल त्वचा की जलन, घावों और संक्रमण को ठीक करने में मदद करता है। मैनुका शहद का उपयोग न केवल खाने में होता है, बल्कि इसे फेस मास्क, स्क्रब और मॉइस्चराइजर के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। यह त्वचा को पोषण देता है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है।

जापान: रेशम

जापान में रेशम का इस्तेमाल किया जाता है, जिसे बनाने के लिए कीड़ों का उपयोग होता है। यह रेशम त्वचा को मुलायम और चमकदार बना सकता है। इसके अलावा यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और इसे हाइड्रेटेड बनाए रखने में मदद करता है। रेशम का उपयोग जापान में सदियों से होता आ रहा है और इसे पारंपरिक कपड़ों में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे महिलाएं चेहरे पर लगाना ज्यादा पसंद करती हैं।

फ्रांस: चॉकलेट

फ्रांस में चॉकलेट फेस मास्क का उपयोग होता है। इसमें कोको पाउडर होता है, जो त्वचा की ताजगी बढ़ाता है और इसे नमी प्रदान करता है। चॉकलेट फेस मास्क त्वचा को पोषण देता है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। इसके अलावा यह त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और इसे मुलायम बनाता है। चॉकलेट फेस मास्क का उपयोग न केवल त्वचा की देखभाल के लिए होता है, बल्कि बालों की देखभाल के लिए भी होता है।

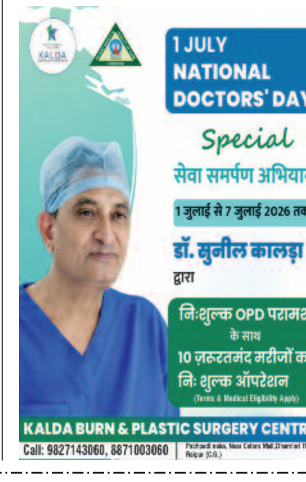

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com